RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 13 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 04-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

जय भिक्षु

जय महाश्रमण

कृतज्ञता एवं वर्धापना समारोह

दिनांक : 05.08.2026, प्रातः 9.30 बजे

स्थल तेरापंथ भवन, गांधीनगर

अभिनन्दन... अभिनन्दन...

अभिनंदन... अभिनंदन...

सान्निध्य : युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वीश्री पावनप्रभाजी ठाणा 4

तेरापंथ धर्मसंघ के युवाचार्य मुनि श्री महावीरकुमारजी स्वामी का संक्षिप्त जीवन परिचय

जन्म : संवत 2045 (द्वितीय), ज्येष्ठ शुक्ला 5, दिनांक 19 जून 1988
पिताजी : श्री सवाईचंद जी कोचर
माताजी : श्रीमती छगनी देवी कोचर

जन्म स्थान : फलसूंड (जैसलमेर)
दीक्षा : संवत 2058 फाल्गुन कृष्ण 5, दि. 03 मार्च 2002 स्थल : जसोल
दीक्षा प्रदाता : आचार्य श्री महाप्रज्ञजी

सम्मान

श्रेष्ठ श्रुताराधक	मुख्य मुनि अलंकरण	अग्रणी	मुख्य मुनि पद	बहुश्रुत परिषद संयोजक
16 फरवरी 2012 कुचोली ग्राम	5 अक्टूबर 2015 विराटनगर (नेपाल)	17 फरवरी 2016 किशनगंज	4 जून 2016 बरपथार (असम)	16 अप्रैल 2023 खरड़ (गुजरात)

युवाचार्य नियुक्ति : संवत 2083, आषाढ़ शुक्ल 13, दि. 27 जुलाई 2026 (आचार्य श्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष संपन्नता समारोह) स्थल : जैन विश्व भारती लाडनूं

मुख्य अतिथि श्री प्रकाश लोढ़ा, उपाध्यक्ष - तेरापंथी महासभा

गरिमामय उपस्थिति श्री कैलाश बोराणा, उपाध्यक्ष-अणुविभा श्री रोहित कोठारी, संगठन मंत्री-अभातेयुप श्रीमती मधु कटारिया, सहमंत्री-अ.भा.महिला मंडल एवं सभी केन्द्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधिगण

श्रद्धेय आचार्य प्रवर ने महती अनुकम्पा कर मुख्य मुनि श्री महावीरकुमारजी स्वामी को उत्तराधिकारी के रुप में युवाचार्य पद की घोषणा करवाने की कृपा हेतु अनंत अनंत कृपज्ञता

युवाचार्य प्रवर के श्रीचरणों में श्रद्धामय शत् - शत् अभिनंदन आध्यात्मिक मंगलकामनाएं सहित...

प्रकाशचंद, दीपककुमार, विकास बाबेल, ठीकरवास कलां	पारसमल, दिलीपकुमार, कुनाल, वीर भंसाली, जोजावर	श्रीमती झमकूदेवी स्व. पारसमलजी छाजेड़, सिरियारी
हस्तीमल, दिनेश, राजेश हिरण, आमेट	प्रेमराज, अशोककुमार, राजेश भंसाली, जोजावर	संतोषचंद, बाबुलाल, पारसमल बाफना, पारलू
पवनदेवी, माणकचंद, दिनेश संचेती, मारवाड़ जंक्शन	बाबुलाल, जसवंतराज, शांतीलाल, पारसमल पोरवाल, कंटालिया	कान्तिलाल, अनिलकुमार, सज्जनराज तातेड़, जसोल
माणकचंद, ललितकुमार, गौत्तमचंद डोसी, गुडा रामसिंह	सुरेशकुमार, निखिल, साहिल चावत, सरेवड़ी	उर्मिला जैन, रविकुमार, लाभेशकुमार काशंवा भीम
कपूरचंद, बिमलकुमार, योगेश, धनेश, अर्हम, धारीवाल, छोटी खाटू	माणकचंद, प्रमोद, किशोर, संदीप सुंदेशा मुथा, गादाणा	इंदरचंद, धर्मीचंद, महावीरचंद धोका, मुसालिया
वसंतराज, सज्जनराज पितलिया, मांडा	गौतमचंद, रमेश, सुरेश कोठारी, डेगाना	सुरपतसिंह, कुसुम चोरड़िया, सागर स्टील, सुजानगढ़
सुरेशकुमार, पारसमल, भावेशकुमार तातेड़, फलसुण्ड	रतनलाल, ऋषभ हिरण, कोशीथल	पुखराज, दीपककुमार, रीदीतकुमार श्रीश्रीमाल, दीवेर
एम. सी. बलदोटा, अभिषेक वेद बलदोटा, सिरियारी	मूलचंद, मुकेशकुमार, विकासकुमार नाहर, जाणुंदा	मदनलाल, दिनेशकुमार, राकेश नाहर, जाणुंदा
कैलाशकुमार, लक्ष्मी, यशकुमार बोहरा, लसानी	कमलेश, स्नेह, भरत डुंगरवाल, सुजानगढ़	कन्हैयालाल, मयूर, राजेश चिप्पड़, आमेट
मोहनलाल, किशोरकुमार, रौनक, प्रज्ञा गादिया, गुड़ा रामसिंह	सुवालाल, सुरेशचंद दक, चिताम्बा	सुभाषचंद्र, राहुल, अमित, अर्जुन पोखरणा, देवगढ़
सुरेशकुमार, करणकुमार, निखिल मांडोत, चिताम्बा	मै. गुरु पुणवाणी प्रोप्रटीज प्रा. लि., बेंगलोर	रजत, ऋषभ, खुशहाल बैद, भीनासर
संजीवकुमार, विनय बैद, सुजानगढ़	महावीरचंद, जतिन ओस्तवाल, मारवाड़ जंक्शन	भरत, ललित, अभिजीत सुंदेशा मुथा, गादाणा
मसियाबाई, स्व. केवलचंदजी, छाजेड़ परिवार, सिरियारी	एम. संजय, समकित, तौषिक बांठिया, धाकड़ी	शान्ति, प्रदीप, प्रतीश सकलेचा, राणावास
माणकचंद, जितेन्द्रकुमार, उगम आंचलिया, पादु कलां	ललितकुमार, नरेन्द्रकुमार, भरतकुमार माण्डोत, बरार	कुंदनमल, सुरेशकुमार, मुकेशकुमार गन्ना, आसींद कटार
मदनलाल, कैलाशचंद, रमेश रोशन बोराणा, बरार	प्रकाशचंद, सचिन, अंकित कटारिया, धामली	किरणचंद, प्रकाशचंद, बजरंग कुण्डलिया, श्रीडुंगरगढ़
नरेन्द्रकुमार, सुरेन्द्रकुमार, कुशलकुमार रायसोनी, आउवा	अरविंदकुमार, प्रकाशचंद, राजेन्द्रकुमार बाफना, काराडी	नवरतनमल, विनोदकुमार, आदर्श गादिया, कंटालिया
अभयराज, हेमन्त, ऋषि कोठारी, ईडवा	सुनीलकुमार, अनिलकुमार, आदर्श बाबेल, ठीकरवास कलां	पारसमल, सुरेशकुमार, प्रवीणकुमार नाहर, जाणुंदा
गौत्तमचंद, विनोद, प्रमोद, विकास मुथा, गुड़ा सूरसिंह	मीठालाल, प्रकाशचंद, अशोककुमार, नवलखा, धीनावास	अशोककुमार, किशोरकुमार, रोहित गिलुण्डिया, सालेरा
भरतकुमार, डॉ. मनीषा, वंदन चोपड़ा, जसोल	पिस्तादेवी, मनोजकुमार, हर्षकुमार बरलोटा, बाड़सा	सुगनराज, पारसमल, सुमित धोका, निम्बली
रोशनलाल, दिनेश, राकेश पोखरणा, चिताम्बा	पवनबाई, विमल, गौरव गादिया, गुड़ा रामसिंह	सिपानी परिवार, बीकानेर स्वीटस् मागड़ी रोड़
भूपेन्द्रकुमार, नवनीत, संदीप मुथा, निम्बली	ललित, सुरेश, निर्मल आच्छा, सिरियारी	भैरुलाल, सुनीलकुमार, भरत बाफना, लावा सरदारगढ़
		अशोककुमार, आशीष, राहुल धारीवाल, छत्रसिंहजी का गुड़ा

निवेदक : श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, गांधीनगर, बेंगलोर

प्रकाशचंद बाबेल (अध्यक्ष) | पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य | सुभाषचन्द्र पोखरणा (मंत्री)

सहयोगी संस्था : तेरापंथ युवक परिषद, तेरापंथ महिला मंडल, तेरापंथ प्राफेशनल फोरम, तेरापंथ ट्रस्ट, अणुव्रत समिति एवं सभी सहयोगी संस्थाएं

संसार से मुक्ति पाने के लिए धर्म करना अति आवश्यक : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गोडवाड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी की निश्रा में सोमवार को मुनिश्री मोक्षानंद विजयजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जैसे पिंजरे में रहा हुआ पंछी या जानवर उससे छूटने के लिए छटपटाता रहता है, उसी तरह संसार रूपी पिंजरे से छूटने की तड़प जब तक मनुष्य में पैदा नहीं होगी तब तक मुक्ति का प्रयास शुरू नहीं होगा। अनादिकाल से संसार में अनंत जन्म मरण करने के कारण आत्मा में संसार के संस्कार बहुत गहराई तक जमे हुए हैं। व्यक्ति धर्म तो करता है किंतु उससे पुण्य उपार्जित करता है। पुण्य को भोगने के लिए पुनः संसार में जन्म लेने पड़ते हैं, इस तरह पुण्य और पाप का नया बंधन होता रहता है, जिससे जन्म मरण रुकता नहीं है लेकिन यदि संसार से पार होकर मुक्ति महल में पहुंचने के लक्ष्यपूर्वक व्यक्ति धर्म नहीं करता तो संसार का परिभ्रमण समाप्त नहीं होता। मुनिश्री ने कहा कि संसार की असारता का बोध होने के बाद अनासक्त भाव से जीने की कला आ जाती है। व्यक्ति संसार में भले रहे कोई दिक्कत नहीं, किंतु व्यक्ति के मन में संसार नहीं बसा होना चाहिए। जब तक हमारा मन संसार रूपी खूंटी से बंधा रहेगा तब तक आध्यात्मिक जगत में हमारा प्रवेश नहीं होगा। अतः ध्यान रहे संसार में सभी जिम्मेदारियों को निभाते हुए और भीतर से अनासक्त भाव से जीने वाला व्यक्ति ही मुक्ति का अधिकारी बनता है। दोपहर में सभी आराधकों को श्री सिद्धचक्र की साधना करवाई गई। शाम को सामूहिक शत्रुंजय तप करने वाले आराधकों को उत्तर पारणा करवाया गया। मंगलवार से शत्रुंजय तप का शुभारंभ होगा।

नशा मुक्त युवा-विकसित भारत कार्यक्रम के माध्यम से फैलाई जागरूकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी एवं अणुव्रत समिति विजयनगर के संयुक्त तत्वावधान में मुनिश्री विनीतकुमारजी व पुनीतकुमारजी के सान्निध्य में रविवार को अर्हम भवन में नशा मुक्त युवा–विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा व राजेश चावत ने विचार व्यक्त किए। मुनिद्वय ने उपस्थित युवाओं को नशा मुक्त भारत का संकल्प दिलाते हुए समाज में जन–जागरण फैलाने का संकल्प भी दोहराया। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। सम्पत चावत ने संचालन किया। मंत्री अरिहंत कवाड़िया ने धन्यवाद दिया।

निस्वार्थ भाव से दूसरों के लिए कार्य करने वाले बनते हैं महान : कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने सोमवार को मैसूरु के महाराजा नलवड़ी कृष्णराज वृंदावन वाडियार की समाधि स्थल पर उनके स्मृति दिवस पर मैसूर सिटीजंस वॉइस द्वारा आयोजित समारोह में भाग लिया। मुनिश्री ने कहा कि धरती पर करोड़ों आत्मा में कोई कोई विरली आत्मा होती है जो अपनी परवाह न करते हुए निस्वार्थ भाव से त्याग, बलिदान, सेवा, देश, धर्म और समाज की सुरक्षा के लिए समर्पित रहते हैं, वही इतिहास बनकर दुनिया के जाने के बाद भी दुनिया में अमर हो जाते हैं। श्रद्धा भक्ति से दुनिया उनको याद करती है। इतिहास के पन्ने अनमोल होते हैं, वह महापुरुष अनंत काल तक आने वाली पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं। जोश और भक्ति का संचार करते हैं।

संतश्री ने कहा कि देश विकास में मैसूरु महाराजा का बहुत योगदान है, राज्य सरकार को समाधि स्थल को तीर्थ स्थल में घोषित करके उनकी समाधि को महात्मा गांधी की समाधि की भांति विकसित करना चाहिए।

केरल में भारी बारिश, जलस्तर बढ़ने की आशंका के कारण पत्तनमथिट्टा में अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कई इलाकों में भारी बारिश हुई और सोमवार को जारी भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार राज्य के तीन मौसम केंद्रों पर 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। वहीं अधिकारियों ने दक्षिणी जिले पत्तनमथिट्टा में हालात बिगड़ने की चेतावनी भी दी। केरल के पर्यटन मंत्री पी सी विष्णुनाथ के कार्यालय ने बताया कि शबरिमला इलाके में भारी बारिश से जिले में चिंताजनक स्थिति पैदा हो गई है और रान्नी तथा आस–पास के इलाकों में जलस्तर बढ़ने की आशंका है।

मंत्री के कार्यालय ने बताया कि विष्णुनाथ पत्तनमथिट्टा में ही हैं और आपदा प्रबंधन तथा राहत कार्यों की अगुवाई कर रहे हैं। मंत्री के कार्यालय के अनुसार उन्होंने अराणमुला के विधायक अबिन वर्की, सरकारी अधिकारियों और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ कोझेनचेरी में हालात का जायजा लिया। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि जिले के मूझियार बांध का एक फाटक 15 सेंटीमीटर तक खोला गया क्योंकि वहां जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया था। उन्होंने कक्काट्टार और पंपा नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मूझियार के अलावा, बिजली पैदा करने वाले अन्य बड़े बांधों – जैसे इडुक्की में कल्लारकुट्टी, एराट्टयार और लोअर पेरियार, त्रिशूर में पोरिंगलकुथु और कोझिकोड में कुट्टियाडी में भी जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंचने की स्थिति में है। बारिश के कारण मलप्पुरम के पनाक्कड में एक निर्माण स्थल पर भूस्खलन भी हुआ। ऐसी सूचना है कि यह जगह राज्य के उद्योग मंत्री पी.के. कुन्हालीकुट्टी के आवास के निकट थी। भूस्खलन से किसी की जान नहीं गई लेकिन इसके कारण निर्माण स्थल के पास मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित हो गया। टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों में बचाव कार्यों में मदद के लिए कोल्लम से मछली पकड़ने वाली नौकाएं सड़क मार्ग से पत्तनमथिट्टा के अराणमुला ले जाई जाती दिख रही हैं, जहां बाढ़ आई है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी गई है क्योंकि रात भर हुई भारी बारिश से संवेदनशील इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

केरल में लगातार हो रही भारी बारिश के मद्देनजर कई जिलाधिकारियों ने सोमवार को सभी शिक्षण संस्थानों में अवकाश की घोषणा की। इस बीच, मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने पूरे केरल में बारिश की स्थिति की समीक्षा के लिए सुबह 10 बजे जिलाधिकारियों की एक ऑनलाइन बैठक बुलाई। आईएमडी के अनुसार, दो अगस्त की सुबह साढ़े आठ बजे से तीन अगस्त की सुबह साढ़े पांच बजे के बीच दर्ज किए गए बारिश के आंकड़ों से पता चलता है कि पत्तनमथिट्टा के वेंकुरिंजी में सबसे अधिक 104.5 मिलीमीटर बारिश हुई, इसके बाद इडुक्की के उडुंबन्नूर में 103.0 मिलीमीटर और इडुक्की के चेरुथोनी में 101.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

पिछले दो साल में लंबित जीएसटी रिफंड के मामलों की संख्या काफी कम हुई है : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को लोकसभा को बताया कि 31 मार्च, 2026 तक पिछले दो सालों में लंबित जीएसटी रिफंड दावों की संख्या काफी कम हो गई है।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 31 मार्च, 2026 तक लगभग 164 करोड़ रुपये की रिफंड राशि वाले 64 दावे 60 दिन से अधिक समय तक लेकिन 90 दिन से कम समय तक लंबित थे। मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2023–24 के आखिर में 274 करोड़ रुपये की रिफंड राशि वाले 907 दावों से वित्त वर्ष 2024–25 तक 246 करोड़ रुपये के रिफंड राशि वाले 374 दावे काफी कम हैं। जवाब के अनुसार 90 दिन से ज्यादा समय से लंबित जीएसटी रिफंड के मामलों को देखें तो 31 मार्च, 2026 तक 64 करोड़ रुपये के दावे वाले मामलों की संख्या घटकर 110 हो गई है।

चौधरी ने कहा कि रिफंड क्लेम की प्रक्रिया में देरी मुख्य रूप से दस्तावेज जमा करने में देरी और करदाताओं द्वारा उन्हें जारी किए गए नोटिस के जवाब जमा करने में देरी, तथा करदाताओं द्वारा रिफंड क्लेम को लंबित रखने के लिए किए गए अनुरोधों के कारण होती है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए होता है ताकि उनके रिफंड क्लेम के संबंध में जारी किए गए कारण बताओ नोटिस, अगर कोई हो, के लिए अतिरिक्त दस्तावेज और विवरण जमा करने के लिए समय मांगा जा सके, और कुछ मामलों में प्रणाली से जुड़ी समस्याएं भी होती हैं।

पलक्कड़ में खाई में गिरी रोडवेज बस, कई यात्री घायल

पलक्कड़/भाषा। केरल के पलक्कड़ जिले में नेन्मारा के पास पोतुंडी में सोमवार को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस सड़क से फिसलकर खाई में गिर गई, जिससे कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस समय हुआ जब रोडवेज की यह बस नेल्लियामपति से नेन्मारा की ओर जा रही थी। पुलिस ने बताया कि बस खाई में गिरने के बाद पेड़ों के बीच अटक गई, जिससे वह गहराई में गिरने से बच गई। इस हादसे में कई यात्रियों को चोटें आई हैं, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, दुर्घटनास्थल पर एक महिला अचेत अवस्था में मिली जिसकी हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

पुरी रथ यात्रा को यूनेस्को की सूची में शामिल कराने के लिए ओडिशा ने केंद्र से मांगा सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने पुरी की भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त 'सांस्कृतिक धरोहर' सूची में शामिल कराने के लिए केंद्र सरकार से सहयोग मांगा है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रस्ताव को केंद्र सरकार को भेजते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय से अनुरोध किया है कि इस नामांकन को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक सहयोग और हस्तक्षेप किया जाए।

मुख्यमंत्री ने एक अगस्त को केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लिखे पत्र में कहा कि रथ यात्रा केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि एक कालजयी सभ्यतागत परंपरा है। उन्होंने पत्र में कहा, ''भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है बल्कि यह एक कालजयी सभ्यतागत परंपरा है जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, समावेशिता, आध्यात्मिकता, शिल्पकला, संगीत, नृत्य और सामुदायिक सहभागिता का प्रतीक है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि सदियों पुराना यह उत्सव दुनिया भर से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है तथा भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत के सबसे स्थायी प्रतीकों में से एक है। उन्होंने कहा कि यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में इसके शामिल होने से भारत की समृद्ध अमूर्त सांस्कृतिक परंपराओं को वैश्विक पहचान मिलेगी तथा इनके संरक्षण और भावी पीढ़ियों तक संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। माझी ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक दस्तावेज पहले ही जमा करा चुका है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया के दौरान यदि मंत्रालय को किसी अतिरिक्त जानकारी या सहायता की आवश्यकता होगी तो ओडिशा सरकार और श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार हैं। इस वर्ष 16 से 27 जुलाई के बीच आयोजित वार्षिक पुरी रथ यात्रा में 50 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया।

ट्रेनों में खराब भोजन, अस्वच्छता को लेकर कैटरिंग कंपनियों पर 5.13 करोड़ रुपये का जुर्माना : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ट्रेनों में भोजन की खराब गुणवत्ता और अस्वच्छ पेंट्री कार से जुड़ी शिकायतों की जांच के बाद सेवा प्रदाताओं पर पिछले तीन वर्षों में 5.13 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा को यह जानकारी दी।

कांग्रेस सांसद चंद्रकांत हंडोरे ने प्रीमियम ट्रेनों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता का मुद्दा उठाते हुए पूछा था कि पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रीमियम और एक्सप्रेस ट्रेनों में खराब भोजन, अस्वच्छ पेंट्री कार और आतिथ्य सेवाओं में कमी से संबंधित कितनी शिकायतें मिलीं?

हंडोरे ने यह भी जानना चाहा था कि संस्थागत रूप से अधिक शुल्क वसूलने और खराब गुणवत्ता वाला या निर्धारित मात्रा से कम भोजन परोसने के दोषी आईआरसीटीसी लाइसेंसधारकों के खिलाफ क्या वैधानिक कार्रवाई की गई? वैष्णव ने लिखित जवाब में कहा, भारतीय रेल हर साल जो भोजन परोसती है, उसे लेकर औसतन केवल 0.0008 प्रतिशत शिकायतें प्राप्त होती हैं। पिछले तीन वर्षों में इन शिकायतों की जांच के आधार पर 5.13 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि यात्रियों को निर्धारित मानकों के अनुसार अच्छी गुणवत्ता वाला और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए भारतीय रेल द्वारा लगातार प्रयास किया जाता है। इसके लिए समय–समय पर आवश्यक कदम उठाए जाते हैं। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा में सुधार के लिए उठाए गए कई कदमों का उल्लेख किया। इनमें चिह्नित स्थानों पर आधुनिक बेस किचन शुरू करना, निर्धारित बेस किचन से भोजन की आपूर्ति और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया की वास्तविक समय निगरानी के लिए बेस किचन में सीसीटीवी कैमरे लगाना शामिल है। वैष्णव ने ट्रेनों में इलेक्ट्रॉनिक बिलिंग और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के उपायों की भी जानकारी दी।

बाबरी मस्जिद जांच आयोग के अध्यक्ष रहे न्यायमूर्ति एमएस लिब्रहान का निधन

चंडीगढ़/भाषा। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विध्वंस की परिस्थितियों की जांच के लिए गठित आयोग की अध्यक्षता करने वाले न्यायमूर्ति मनमोहन सिंह लिब्रहान का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहित सूद ने बताया कि न्यायमूर्ति लिब्रहान का रविवार को यहां निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को किया जाएगा। न्यायमूर्ति लिब्रहान ने 1964 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की थी। अगस्त 1970 में वह पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के लिए निर्वाचित हुए और 11 फरवरी 1987 तक इसके सदस्य रहे। उन्होंने जनवरी 1976 से जून 1983 तक बार काउंसिल के सचिव के रूप में भी कार्य किया। उन्हें 11 फरवरी 1987 को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। सात जुलाई 1997 को उन्हें मद्रास उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। बाद में 28 फरवरी 1998 को उन्होंने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का पद संभाला। न्यायमूर्ति लिब्रहान को 16 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय जांच आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

नीट पेपर लीक प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी वापस ले सकती हैं सरकारें

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि दिल्ली और अन्य राज्यों की सरकारें राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) प्रश्नपत्र लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को बंद कर सकती हैं या उन्हें वापस ले सकती हैं, बशर्ते उनका गंभीर और जघन्य अपराधों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड' नहीं हो। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि ''आपराधिक रिकॉर्ड'' से आशय सिर्फ गंभीर और जघन्य अपराधों से है। मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने शुरुआत में शीर्ष अदालत को बताया कि केंद्र सरकार प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी पर आगे नहीं बढ़ने की अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर है, सिवाय उन छात्रों के जिनका आपराधिक रिकॉर्ड रहा हो।

संसद में विपक्ष का हंगामा जारी : दोनों सदन एक-एक विधेयक पारित करने के बाद दिन भर के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसद में सोमवार को भी विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दों को लेकर हंगामा किया जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई। हालांकि हंगामे के बीच ही दोनों सदनों ने एक–एक विधेयक को मंजूरी दी। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा ने उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाला विधेयक बिना चर्चा के पारित कर दिया। सदन में विपक्षी सदस्यों के शोर–शराबे के बीच ही भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026 और बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026 भी पेश किए।

लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की सफलता का उल्लेख किया और उन्हें बधाई दी। इसके बाद उन्होंने प्रश्नकाल शुरू कराया लेकिन विपक्ष के सदस्य हंगामा करने लगे। बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने का आग्रह करते हुए कहा, मुझे लगता है कि आप नियोजित तरीके से सदन नहीं चलाना चाहते। प्रश्नकाल महत्वपूर्ण होता है। कृपया प्रश्नकाल चलने दें। शोर–शराबा जारी रहने पर अध्यक्ष ने बैठक दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर स्थिति ज्यों की त्यों बनी रही।

हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंककार बही साक्ष्य विधेयक, 2026 और सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2026 पेश किए। सदन में हंगामा नहीं थमने पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने कुछ मिनट बाद ही कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दो बजे बैठक शुरू हुई तो कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। इस दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। पीठासीन सभापति तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने का आग्रह करते हुए उनसे विधेयक पर चर्चा में भाग लेने को कहा, लेकिन सदन में हंगामा नहीं थमा।

■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 13 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 04-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 राजस्थान के 35 जिलों में पंचायत चुनाव लड़ेगी आरपीआई : आठवले

6 तसलीमा नसरीन की सामाजिक संदर्भ में चिंता

7 अक्षय सच में कमाल के अभिनेता हैं : अनिल कपूर

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया में पोत में आग लगने के बाद लापता लोगों की तलाश जारी

सुराबाया/एपी। इंडोनेशिया में जावा द्वीप के पास एक पोत में आग लगने के बाद बचावकर्मी सोमवार को संभावित लापता यात्रियों की तलाश में जुटे रहे। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है, जबकि 229 लोगों को बचा लिया गया। 'मुतियारा सेंटोसा-2' पोत पूर्वी जावा के इंडोनेशिया के दूसरे सबसे बड़े शहर सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकास्सर शहर जा रहा था। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पोत में आग लगने के समय इसमें 232 यात्री और 39 चालक दल के सदस्य सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, सुमेनेप जिले के समुद्री क्षेत्र में सुबह करीब छह से सात बजे के बीच पोत में आग लगी। सोमवार सुबह अधिकारियों ने बताया कि पोत में दर्ज संख्या से कहीं अधिक लोग सवार थे। अब तक 229 लोगों को बचाए जाने तथा पांच शव मिलने के बाद भी लापता लोगों की सही संख्या स्पष्ट नहीं हो सकी है। अधिकारियों ने बताया कि लापता लोगों की संख्या का पता लगाने के लिए वे पीड़ितों के परिजनों और जीवित बचे यात्रियों से मिली जानकारी पर निर्भर हैं।

दिल्ली के कई स्कूलों को बम रखे होने की धमकियां मिली

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के कई स्कूलों को सोमवार को ईमेल के जरिए बम रखे होने की धमकियां मिलीं, जिसके बाद दिल्ली पुलिस, अग्निशमन सेवाओं और बम निरोधक दस्तों को व्यापक तलाशी अभियान शुरू करना पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। धमकी की सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ते, श्वान दस्ते और दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीमें स्कूलों में पहुंचीं। एहतियात के तौर पर स्कूल परिसर को खाली करा लिया गया और अच्छी तरह से जांच की गई। पुलिस ने कहा कि अब तक की तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

दतिया उपचुनाव : कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा प्रत्याशी को पराजित किया

दतिया (मप्र)/भाषा। मध्यप्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में सोमवार को कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से पराजित कर दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी और दतिया के जिलाधिकारी स्वप्निल वानखड़े ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी ने 6,016 मतों से जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने बताया कि 15वें और आखिरी दौर की मतगणना के बाद घनश्याम सिंह को 66757 से अधिक मत मिल।

सूर्यास्त 04-07-2026 6:46 बजे | सूर्योदय 05-08-2026 6:07 बजे

BSE	NSE
78,639.03	24,774.30
(+ 544.39)	(+390.71)

सोना	चांदी
14,854 रु.	223,921 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भौंचक्के हम

शेयर के भाव गिरे जाते,
बढ़ रहे दाम नित सोने के।
निफ्टी सेंसेक्स धँसे जाते,
दिन बाजारों के रोने के।
दल बदलू नेताओं के हैं,
सपने अपने हित ढोने के।
दिख रहे तमाशे सभी ओर,
अपने मूल्यों को खोने के।।

संसद में नहीं आकर मतदाताओं का अपमान कर रहे हैं प्रधानमंत्री : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर संसद की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लेकर संसद तथा मतदाताओं का अपमान करने का आरोप लगाया और कहा कि विपक्ष का विरोध तब तक जारी रहेगा, जब तक प्रधानमंत्री नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर संसद में बयान नहीं दे देते। खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''या तो वह (मोदी) सदन और सांसदों का सामना करने से डरते हैं या फिर उन्हें संसद का कोई सम्मान नहीं है। इन दोनों में से एक बात तो जरूर है।'' राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री केवल संसद का ही नहीं, बल्कि उन लोगों का भी अपमान कर रहे हैं जिन्होंने सांसदों को चुनकर संसद में भेजा है।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया, ''मोदी जी को युवाओं पर लाठीचार्ज और पैलेट गन चलवाने के लिए माफी मांगनी चाहिए... लेकिन संसद में आने के बजाय वह बच्चों को डरा-धमका रहे हैं।'' खरगे ने दावा किया, ''वे सदन में नहीं आते, सवालों का जवाब नहीं देते। न राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी पर कुछ बोलते हैं और न ही छात्रों के दमन पर। मासूम बच्चे देशद्रोही नहीं हैं, उन्हें यह संज्ञा मत दीजिए। असली देशद्रोही भाजपा के लोग हैं, जो लोकतंत्र को कुचल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री आधी रात को उठकर इंस्टाग्राम पर अपनी बात रख सकते हैं तो उन्हें वही बात संसद में भी कहनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, यह संसद, सांसदों को चुनने वाले लोगों और लोकतंत्र का अपमान है। लोकतंत्र में बहस होती है और सरकार उसका जवाब देती है, लेकिन प्रधानमंत्री सदन में ही नहीं आ रहे हैं।

खरगे ने संवाददाताओं से कहा कि प्रधानमंत्री बच्चों को माफ करने की बात कर रहे हैं, जबकि उन्हें स्वयं छात्रों से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि उनकी सरकार ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर आंसू गैस के गोले छोड़े, लाठीचार्ज किया और पैलेट गन का इस्तेमाल किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री असली मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। खरगे ने कहा, प्रधानमंत्री का संसद में नहीं आना और अपनी बात नहीं रखना संसद का अपमान है। जिन लोगों ने सभी सांसदों को चुनकर भेजा है, वे उनकी बात सुनना चाहते हैं और इसी वजह से विपक्ष के सदस्य दोनों सदनों में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को सदन में बैठकर सदस्यों की बात सुननी चाहिए।

मैं जागृत हिंदू बनना चाहती हूं : कंगना

नई दिल्ली/भाषा। हाल ही में 'जेन जेड' प्रदर्शनकारियों को जेनरेशन गटर कहने की वजह से चर्चा में रहीं अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सोमवार को कहा कि वह पहले एक उदार सोच वाली हिंदू थीं, लेकिन अब ''खुद को बदलकर'' एक जागृत हिंदू बनना चाहती हैं। इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में रनौत ने उन लोगों की आलोचना की जो एक अभिनेत्री के रूप में उनके अतीत को देखते हुए उनके वर्तमान विचारों पर सवाल उठाते हैं।

उन्होंने कहा, ''मुझे ताना दिया जाता है, 'तुम कब से संघी बन गई?' मैं संघी बनना चाहती हूं। मैं भाजपा और आरएसएस की विचारधारा अपनाना चाहती हूं, जो एक जागृत हिंदू की विचारधारा है। मैं ऐसा क्यों नहीं कर सकती? जब हिंदू बेटियों की बात आती है, तब समाज के तथाकथित ठेकेदार हमारे दस साल पुराने जीवन को देखने लगते हैं और कहते हैं, 'तुम पहले पार्टी करती थी, तुम यह करती थी।' हां, 'मैं करती थी, लेकिन अब मैं बदलना चाहती हूं। मेरे लिए यह रास्ता बंद क्यों हो?'

महिला पहलवान यौन उत्पीड़न मामला

बृजभूषण सिंह, सह-आरोपी तोमर बरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को महिला पहलवानों द्वारा दायर यौन उत्पीड़न के मामले में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी विनोद तोमर को बरी कर दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) अश्विनी पंवार ने इस मामले में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह और डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव तोमर को बरी कर दिया। अदालत के बाहर पत्रकारों से बातचीत में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि अदालत ने उन्हें और विनोद तोमर को ''बाइज्जत बरी'' किया है।

उन्होंने कहा, ''पहले ही दिन मैंने कहा था कि यदि मेरे खिलाफ लगाया गया कोई भी आरोप साबित हो जाए तो मैं खुद फांसी पर लटक जाऊंगा। अब अदालत ने मुझे बाइज्जत बरी कर दिया है। मैं खुश हूं और अपने वकीलों का आभारी हूं।'' पूर्व भाजपा सांसद ने कहा, ''फिलहाल मैं इतना ही कह सकता हूं। अदालत का विस्तृत आदेश पढ़ने के बाद ही इस मामले पर आगे टिप्पणी करूंगा।'' बहरहाल, लोक अभियोजक मनीष रावत ने कहा कि अदालत का विस्तृत आदेश पढ़ने के बाद उच्च न्यायालय में आगे की ''उचित कानूनी कार्रवाई'' की जाएगी। अभियोजन पक्ष मजिस्ट्रेट अदालत के इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दे सकता है।

मामले की सुनवाई बंद कमरे में हुई और मीडिया को अदालत कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं थी। आदेश सुनाए जाने के तुरंत बाद सिंह के वकील ने अदालत के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए उनके बरी किए जाने की पुष्टि की। छह महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराए गए मामले में अंतिम बहस पूरी होने के बाद दो जुलाई को अदालत ने आदेश तीन अगस्त के लिए सुरक्षित रख लिया था। मई 2024 में, एक अदालत ने सिंह के खिलाफ आपराधिक धमकी देने का आरोप तय करने का आदेश दिया था।

सवा करोड़ अद्यतन आईटीआर दाखिल; 9494 करोड़ रुपए अतिरिक्त कर संग्रह

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि आयकर विभाग के एक अभियान के तहत पिछले दो वर्षों में 1.25 करोड़ करदाताओं ने संशोधित या अद्यतन आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए, जिससे 9,494 करोड़ रुपये का अतिरिक्त कर संग्रह हुआ। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कर संग्रह दक्षता बढ़ाने के लिए डेटा विश्लेषण, व्यवहार संबंधी आकलन और डिजिटल संचार मंचों का उपयोग करते हुए 'नज' (नॉन इंट्रूसीव यूजेज ऑफ डेटा टू गाइड एंड इनेबल) अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य बिना अनावश्यक हस्तक्षेप के करदाताओं को सही जानकारी देने और कानून के अनुपालन के लिए प्रेरित करना है। अभियान के तहत जोखिम विश्लेषण के आधार पर चुने गए करदाताओं को उनके दाखिल किये गए आयकर रिटर्न की समीक्षा कर उसे संशोधित या अद्यतन करने के लिए संदेश भेजे जाते हैं। इन करदाताओं की पहचान गहन विश्लेषण के माध्यम से की जाती है, जिसमें आय या परिसंपत्तियों की गलत या अधूरी जानकारी, या कटौती एव छूट के गलत दावों का पता लगाया जाता है।

राष्ट्रपति ने समुद्रों को पार करने वाली महिला सैन्य दल की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को तीनों सेनाओं की महिला कर्मियों के उस दल की सराहना की, जिसने विश्व के सबसे मुश्किल समुद्रों को सफलतापूर्वक पार किया। साथ ही राष्ट्रपति ने कहा कि उनकी यह कामयाबी युवा भारतीयों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय सेना के नौकायन पोत 'त्रिवेणी' के चालक दल की सदस्यों ने राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की।

तीनों सेनाओं की महिला कर्मियों के दल ने समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान के तहत दुनिया के कुछ सबसे मुश्किल समुद्रों में 25,000 नॉटिकल मील से ज़्यादा की दूरी सफलतापूर्वक तय की है। राष्ट्रपति ने सफलतापूर्वक अभियान पूरा करने वाले दल की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि युवा भारतीयों, खासकर महिलाओं को बड़े सपने देखने और पूरे समर्पण के साथ देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करेगी।

न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक लोकसभा में पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रावधान वाला विधेयक सोमवार को विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच बिना चर्चा के पारित कर दिया। सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे शुरू हुई तो कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीश संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया। इस दौरान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों के सदस्य राम मंदिर चढ़ावा चोरी और दिल्ली में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर नारेबाजी कर रहे थे। पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने हंगामा कर रहे सदस्यों से अपनी सीटों पर बैठने का आग्रह करते हुए उनसे विधेयक पर चर्चा में भाग लेने को कहा, लेकिन हंगामा नहीं थमा। सदन ने विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे के बीच ही ध्वनिमत से बिना चर्चा के विधेयक को पारित कर दिया। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या इससे पहले 2019 में बढ़ाई गई थी। उस समय प्रधान न्यायाधीश को छोड़कर न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 30 से बढ़ाकर 33 की गई थी। मेघवाल ने कहा कि स्वतंत्र भारत में शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की गई और अगस्त 1956 में पारित विधेयक के माध्यम से प्रधान न्यायाधीश समेत कुल न्यायाधीशों की कुल संख्या 11 की गई। उन्होंने कहा कि उसी मूल भावना को देखते हुए और लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए न्यायाधीशों की संख्या अब 34 से बढ़ाकर 38 की गई है।

बांकीपुर उपचुनाव : जन सुराज के प्रशांत किशोर विजयी रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में सोमवार को जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नीरज कुमार सिन्हा को 18,953 मतों के अंतर से पराजित करके जीत दर्ज की। निर्वाचन आयोग के परिणामों के अनुसार, सभी 31 में से 31 दौरों की मतगणना पूरी होने के बाद प्रशांत किशोर को 63,203 मत मिले, जबकि भाजपा के नीरज कुमार सिन्हा को 44,250 मत प्राप्त हुए। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा कुमारी 14,085 मत हासिल करके तीसरे स्थान पर रहीं।

किशोर की जीत को उनकी पार्टी से बाहर के कई नेताओं ने भी भाजपा के अहंकार के लिए सबक करार दिया। इनमें जनशक्ति जनता दल के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े पुत्र तेज प्रताप यादव तथा भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य भी शामिल हैं। भाकपा (माले) लिबरेशन विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की सहयोगी पार्टी है। तीस जुलाई को हुए मतदान से पहले कई दिनों तक प्रशांत किशोर और भाजपा की ओर से जोरदार चुनाव प्रचार किया गया था।

रक्षा तंत्र में सैन्य-असैन्य अधिकारियों का एकीकरण अहम : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि उभरती हुई सुरक्षा और तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए रक्षा तंत्र में बेहतर तालमेल बिठाने के वास्ते रक्षा मंत्रालय के सैन्य और असैन्य घटकों के बीच ''गहरे एकीकरण'' की आवश्यकता है। सिंह ने यहां सशस्त्र बल मुख्यालय (एएफएचक्यू) सिविल सेवा के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि यदि एएफएचक्यू सिविल सेवा के अधिकारी अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करके विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र के लिये साइबर उपकरण विकसित करते हैं, तो यह रक्षा बलों के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।सिंह ने इस बात पर

जोर दिया कि वर्दीधारी और असैन्य सेवाएं, दोनों ही 'राष्ट्र प्रथम' की एक जैसी प्रतिबद्धता साझा करते हैं, और जब उद्देश्य एक हो, तो व्यवस्था का हर एक तत्व राष्ट्रीय ताकत में बदल जाता है। रक्षा मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि रक्षा बल नए जोश के साथ अधिक से अधिक एकजुटता की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि उभरती सुरक्षा और तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में बेहतर सहयोग और तालमेल बिठाने के वास्ते रक्षा मंत्रालय के सैन्य और असैन्य घटकों के बीच गहरे एकीकरण की आवश्यकता है। सिंह ने कहा, सैन्य अधिकारियों के पास अभियान संबंधी अनुभव, कमान का दृष्टिकोण और युद्ध की समझ होती है, जबकि असैन्य अधिकारी प्रशासनिक निरंतरता, नीतिगत अनुभव, सरकारी प्रक्रियाओं की समझ और संस्थागत स्मृति के जरिए योगदान देते हैं। जब ये ताकतें मिलती हैं, तो निर्णय लेना अधिक सुविचारित, संतुलित और प्रभावी हो जाता है।'' केंद्रीय मंत्री ने ''सैन्य और असैन्य अधिकारियों के बीच संरचित पारस्परिक अनुभव'' को और बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला।

पूजा

मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित गुप्तेश्वर मंदिर में पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार (सावन सोमवार) के अवसर पर पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान करते श्रद्धालु।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिवालयों में सावन के पहले सोमवार पर उमड़ा आस्था का सैलाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सावन माह के पहले सोमवार को राजस्थान के शिवालयों में श्रद्धा और आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रदेशभर में तड़के से ही भगवान शिव के दर्शन, जलाभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं, वहीं प्रशासन ने भी व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं तथा प्रमुख मंदिरों व कांवड़ मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर की परंपरा के दर्ज पर तड़के चार बजे विशेष भस्म आरती का आयोजन किया गया और गलता तीर्थ पर हजारों श्रद्धालु रविवार देर रात से ही पहुंचने लगे जहां उन्होंने कुंड में स्नान किया, कांवड़ में जल भरा और पूजा-अर्चना के उपरांत अपने-अपने क्षेत्रों के शिवालयों के लिए रवाना हुए। कांवड़ यात्राओं में युवाओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्रद्धालु हाथों में केसरिया ध्वज और तिरंगा लिए 'हर-हर महादेव' तथा 'बम-बम भोले' के जयघोष करते हुए आगे बढ़ते रहे।

रविवार को गलता तीर्थ से जयपुर के बरकत नगर स्थित रामेश्वरम शिवालय तक भव्य कांवड़ एवं कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा के संयोजक मनीष भार्गव के अनुसार, 11वीं वार्षिक यात्रा में 300 से अधिक महिला और पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया। झारखंड महादेव मंदिर में भी दर्शन और जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जहां सोमवार को मंदिर के बाहर लगभग दो किलोमीटर लंबी कतार लगी रही। ऐतिहासिक ताड़केश्वर महादेव मंदिर के पुजारी शक्ति व्यास ने बताया कि मंदिर के कपाट तड़के तीन बजकर 45 मिनट पर खोले गए। इसके बाद भगवान शिव का अभिषेक कर विशेष भस्म आरती की गई।

उन्होंने बताया कि तड़के चार बजकर 30 मिनट पर भगवान शिव का देसी गाय के 51 किलोग्राम घी तथा 151 किलोग्राम दूध, दही, शहद और शक्कर से महाभिषेक किया गया। मंगल आरती के दौरान भगवान शिव का विशेष श्रृंगार भी किया गया। जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, अलवर सहित प्रदेश के अन्य जिलों के शिवालयों में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों में जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और अन्य विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और कांवड़ यात्राओं को देखते हुए जयपुर पुलिस ने व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए हैं। प्रमुख शिवालयों और कांवड़ मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी के लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। प्रमुख मंदिरों में अवरोधक, प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग, वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था तथा अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

मादक पदार्थ तस्करों के कब्जे से 30 बीघा सरकारी भूमि मुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ जिले में अधिकारियों ने सोमवार को सरकारी चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी के आरोपियों से कथित तौर पर जुड़े अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रशासन और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में करीब 30 बीघा चारागाह भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। अधिकारियों के अनुसार यह भूमि कई वर्षों से अवैध कब्जे में थी। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। बुलडोजर की मदद से आरोपियों से जुड़े अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई जिले में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। उन्होंने कहा, मादक पदार्थ की तस्करी से अर्जित संपत्तियों और सरकारी भूमि पर किए गए अवैध कब्जों की पहचान करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार सरकारी भूमि पर यह अवैध कब्जा कथित रूप से मादक पदार्थ तस्कर रामगोपाल उर्फ गोपाल और घांसीलाल ने कर रखा था। प्रशासन ने पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाकर भूमि को मुक्त करा लिया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रामगोपाल के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि उसके पास से पहले 16.7 किलोग्राम डोडा चूरा और करीब 20 लाख रुपये कीमत की 100 ग्राम स्मैक बरामद की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि वहीं, घांसीलाल के खिलाफ भी स्मैक तस्करी का मामला दर्ज है। अमित कुमार ने कहा कि जिले में मादक पदार्थ तस्करों से जुड़ी अवैध संपत्तियों और सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

राजस्थान के 35 जिलों में पंचायत चुनाव लड़ेगी आरपीआई : आठवले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को कहा कि राजस्थान में पार्टी का संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और आगामी पंचायत चुनाव में आरपीआई राज्य के 35 जिलों में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद स्तर पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। खासाकोठी स्थित राजकीय अतिथि गृह में आयोजित एक प्रेसवार्ता में आठवले ने कहा कि आरपीआई अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग तथा बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को साथ लेकर चलने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यकता होगी, वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ा जाएगा, क्योंकि भाजपा और आरपीआई सहयोगी दल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पार्टी संगठन के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी और लंबे समय तक मंत्री के रूप में कार्य करने का अवसर दिया। आठवले ने विश्वास जताया कि आगामी चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) एक बार फिर सरकार बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में व्यापक विकास कार्य हुए हैं और इसी आधार पर जनता दोबारा राजग का समर्थन करेगी।

नीट पेपर लीक मामले पर उन्होंने कहा कि सरकार ने किसी भी दोषी को नहीं बख्शा है, जिन लोगों की संलिप्तता सामने आई, उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि पहले भी पेपर लीक रोकने के लिए कानून था, लेकिन इसके बावजूद कुछ लोग छात्रों का भविष्य खराब करने के लिए इस तरह के अपराधों में शामिल रहे। उन्होंने कहा कि इन

घटनाओं से अनेक विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ और कुछ छात्रों ने आत्महत्या जैसा कदम भी उठाया।

उन्होंने कहा कि उस समय भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर आंदोलन किया था और तत्कालीन सरकार से नैतिक जिम्मेदारी तय करने, संबंधित मंत्री तथा मुख्यमंत्री से जवाबदेही तय करने और आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिजनों को सहायता देने की मांग की थी। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कथित अनियमितता के मामले पर आठवले ने कहा कि भाजपा या राजग किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का समर्थन नहीं करता। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है और जिन लोगों की संलिप्तता सामने आएगी, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सांसद पप्पू यादव द्वारा संसद परिसर में साधु का वेश धारण करके प्रदर्शन किए जाने पर उन्होंने कहा कि विरोध दर्ज कराना जनप्रतिनिधियों का अधिकार है, लेकिन संसद परिसर में संत या साधु का वेश धारण करके प्रदर्शन करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ने भी इस पर नाराजगी जताई है और संसद की गरिमा एवं मर्यादा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक मामले को लेकर हुए प्रदर्शन के संबंध में आठवले ने कहा कि प्रधानमंत्री ने छात्रों के प्रति उदार रुख अपनाया है और किसी भी विद्यार्थी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने लोगों से कानून हाथ में नहीं लेने की अपील करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने इस संबंध में कानून बनाया है और विद्यार्थियों की सभी मांगें भी मानी है।

जयपुर में करणी सेना का प्रदर्शन, कई जगह पुलिस से भिड़े कार्यकर्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के सदस्यों द्वारा सोमवार को जयपुर में निकाली गई रैली के दौरान कई स्थानों पर पुलिस के साथ झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की बौछार का इस्तेमाल करना पड़ा, जिससे कई जगह यातायात भी प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी कालवाड़ रोड स्थित रावण गेट से कलेक्ट्रेट सर्किल की ओर मार्च कर रहे थे। वे विश्वविद्यालय अनुवाद आयोग (यूजीसी) विनियम-2026 को वापस लेने तथा सवर्ण समाज से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे।

पुलिस ने रैली को रोकने के लिए कालवाड़ पुलिया पर बैरिकेडिंग की थी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिससे पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई। इसी तरह चौमूं पुलिया पर भी प्रदर्शनकारियों ने हल्की बारिश के बीच बैरिकेड हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश की और वहां भी पुलिस के साथ नोकझोंक हुई। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण भी धक्का-मुक्की की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। अधिकारियों के अनुसार कुछ प्रदर्शनकारियों ने पानी की बौछार करने वाले वाहन पर चढ़ने का भी प्रयास किया।

अधिकारियों ने बताया कि रैली के दौरान वहां से गुजर रही एक एंबुलेंस कुछ समय के लिए जाम में फंस गई, हालांकि बाद में प्रदर्शनकारियों ने रास्ता खाली कर दिया, जिससे एंबुलेंस आगे बढ़ सकी। अधिकारियों ने बताया कि रोके जाने के बावजूद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट सर्किल तक पहुंचे, जहां उन्होंने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम रखा था।

यह रैली पिछले करीब 24 दिनों से जारी आंदोलन का हिस्सा है। महिपाल सिंह मकराना ने इसी आंदोलन के तहत जयपुर से बीकानेर जिले के देशनोक तक 'सवर्ण न्याय यात्रा' निकाली थी। बाद में यह यात्रा जयपुर लौटी और यात्रा के दौरान मकराना के अस्वस्थ होने की खबरों के बावजूद आंदोलन जारी रहा। पुलिस के अनुसार स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

अंगदान संकल्प अभियान में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंगदान जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। अंगदान संकल्प अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा।भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन द्वारा आयोजित 16वें इंडियन ऑर्गन डोनेशन डे समारोह में राजस्थान को स्टेट अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन ऑर्गन डोनेशन अवेयरनेस से सम्मानित किया गया।

नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में सोमवार को आयोजित राष्ट्रीय समारोह में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने यह सम्मान राजस्थान की ओर से चिकित्सा शिक्षा विभाग की निदेशक डॉ. श्रीमती रश्मि गुप्ता, सोटो राजस्थान की संयुक्त निदेशक डॉ. चित्रा सिंह, आईईसी कंसल्टेंट डॉ. धर्मेश तथा अतिरिक्त निदेशक डॉ. ममता को प्रदान किया।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अंगदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने, प्रभावी जनसंपर्क अभियान चलाने तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को संवेदनशील और जनकेंद्रित बनाने के सतत प्रयासों का परिणाम है। अंगदान किसी व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा मानवीय उपहार है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रत्येक नागरिक अंगदान के महत्व को समझे और इस महाअभियान से जुड़े, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिल सके।

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि राजस्थान को प्राप्त यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदेश में अंगदान के क्षेत्र में विकसित हुई मजबूत संस्थागत व्यवस्था, प्रभावी समन्वय और जनभागीदारी का प्रमाण है। चिकित्सा शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन , चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से अंगदान जागरूकता अभियान को व्यापक जनआंदोलन का स्वरूप मिला है। हमारा लक्ष्य प्रदेश में अंगदान के प्रति जागरूकता को और अधिक विस्तार देना तथा पारदर्शी एवं सुदृढ़ अंग प्रत्यारोपण व्यवस्था के माध्यम से अधिक से अधिक मरीजों को जीवनदान उपलब्ध कराना है।

राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश

जयपुर। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर तथा पश्चिमी क्षेत्रों में छिटपुट स्थानों पर बीते 24 घंटे के दौरान गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, पाली जिले में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई। जिले के जैतारण क्षेत्र में सर्वाधिक 161 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई।

मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार से मानसून के निम्न वायु दाब क्षेत्र के उत्तर की ओर खिसकने की संभावना है, जिसके चलते जोधपुर, उदयपुर और कोटा संभाग के जिलों में वर्षा गतिविधियों में कमी आने की संभावना है। तीन से पांच अगस्त के बीच हालांकि बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र तथा जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि इस अवधि के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों में वर्षा की गतिविधियों में भिन्नता देखने को मिल सकती है।

तेंदुए के हमले से महिला घायल

जयपुर। सवाई माधोपुर जिले के टोडरा गांव में एक तेंदुए ने घर में सो रही 78 वर्षीय महिला पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रविवार देर रात की है, जब तेंदुआ ने घर की चारदीवारी फांदकर आंगन में चारपाई पर सो रही लीला देवी पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि तेंदुए ने महिला के सिर और गर्दन को अपने जबड़ों में दबोच लिया और उसे करीब 10 मीटर तक घसीटता ले गया।

अंगदान और जन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रसार हो : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि अंगदान मानवता के लिए अपने आपको समर्पण करने से जुड़ा महादान है। उन्होंने कहा कि अंगदान की सबसे बड़ी बाधा मनुष्य के भीतर का डर है। इसे भगाने और इस सम्बन्ध में लोगों को प्रेरित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने समाज में अंगदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया है। राज्यपाल बागड़े सोमवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में 'अंगदान' जागरूकता कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारे देश में किडनी का सफल प्रत्यारोपण एक दिसम्बर 1971 को तमिलनाडु में हुआ। उन्होंने इतने वर्ष पहले अंग प्रत्यारोपण होने के बावजूद अंगदान के प्रति जागरूकता नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि अंगदान दिवस मनाने की बजाय इसे एक आंदोलन मानकर क्रियान्वित किया जाए। राज्यपाल ने अंगदान के साथ स्वास्थ्य जागरूकता के लिए भी अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम घर में एक दिन पहले बनी रोटी नहीं खाते परन्तु बाजार से पुरानी बनी ब्रेड खरीदकर खा लेते हैं। उन्होंने खान पान की आदतों में सुधार किए जाने और व्यसन मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। राज्यपाल ने आरम्भ में उन सभी महान आत्माओं को भी श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने अपना अंग दान कर दूसरों को नया जीवन दिया है। उन्होंने सभी को अंगदान की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हर वर्ष लाखों लोग विभिन्न अंगों की आवश्यकता के कारण अपनी जान गंवा देते हैं।

अवैध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जेडीए की कार्रवाई पर अंतरिम रोक

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की ओर से जयपुर-अजमेर रोड स्थित कथित अवैध व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्रस्तावित कार्रवाई पर अंतरिम रोक लग गई है। जेडीए अपीलीय न्यायाधिकरण ने अंतरिम राहत देते हुए अंतिम निर्णय होने तक नोटिस पर कार्रवाई पर रोक लगा दी है। न्यायाधिकरण के आदेश की प्रति के अनुसार मामले की अगली सुनवाई आठ सितंबर को होगी। जेडीए ने 24 जुलाई को एक रिसॉर्ट सहित अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी किए थे। प्राधिकरण का आरोप था कि कृषि भूमि पर स्वीकृत भू-उपयोग मानकों का उल्लंघन करते हुए बिना आवश्यक अनुमति के व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। नोटिस मिलने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों ने राहत के लिए जेडीए अपीलीय न्यायाधिकरण का रुख किया। तीस जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान पीठासीन अधिकारी महावीर प्रसाद गुप्ता ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए मामले के गुण-दोष के आधार पर अंतिम निर्णय होने तक जेडीए को आगे की कार्रवाई से रोक दिया।

शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में 19 मंत्रियों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के नेतृत्व वाली मंत्रिपरिषद में सोमवार को पहली बार विस्तार हुआ और 19 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। वहीं, मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस की एक विधायक ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने यहां लोक भवन परिसर में आयोजित समारोह में नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्री पद की शपथ लेने वाले कांग्रेस विधायकों में पी. एम. नरेंद्रस्वामी (मालवल्ली), शिवराज तंगडगी (कनकगिरी), रुद्रप्पा लामानी (हावेरी), के. एस. बसवन्तप्पा (मायकॉन्डा), बी. नागेंद्र (बेल्लारी ग्रामीण), टी. रघुमूर्ति (चलकेरे), बी. जेड. जमीर अहमद खान (चामराजपेट), रिजवान अरशद (शिवाजीनगर), संतोष लाड (कलघटगी), मधु बंगारप्पा (सोराबा), पुट्टरंगाशेट्टी (चामराजनगर) और एस. एस. मल्लिकार्जुन (दावणगेरे उत्तर) शामिल हैं।

इनके अलावा अजय सिंह (जेवरगी), एन. चलुवरायस्वामी (नागमंगला), के. एम. शिवलिंगे गौड़ा (अरसीकेरे), एच. सी. बालकृष्ण (मगड़ी), बसवराज रायरेड्डी (येलबुर्गा), विजयानंद काशप्पनावर (बागलकोट) और लक्ष्मण सावदी (अथणी) ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इससे पहले दिन में, कांग्रेस के संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल ने शिवकुमार को एक पत्र भेजकर मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले 20 नामों को कांग्रेस आलाकमान की मंजूरी मिलने की जानकारी दी थी। हालांकि, कांग्रेस आलाकमान की अंतिम सूची में शामिल गायत्री शांतगौड़ा को सोमवार को मंत्री पद की शपथ नहीं दिलाई गई। इसके साथ ही कर्नाटक मंत्रिमंडल में फिलहाल कोई महिला मंत्री नहीं है।

इससे पहले शिवकुमार ने 28 मई को सिद्दरामय्या के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद तीन जून को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। शिवकुमार के साथ 13 विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी।

यशवंतरायगौड़ा पाटिल ने इस्तीफा दिया

मंत्रिमंडल विस्तार में जगह नहीं मिलने से नाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार में जगह नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस विधायक यशवंतरायगौड़ा वी. पाटिल ने सोमवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इंडी विधानसभा क्षेत्र से विधायक पाटिल ने विधान सौध में विधानसभा उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लामानी को अपना इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे की घोषणा के बाद उनके समर्थकों ने यहां प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। मुख्यमंत्री पद संभालने के दो महीने बाद शिवकुमार ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया। पाटिल ने संवाददाताओं से कहा कि सोमवार सुबह तक उनका नाम मंत्रियों की सूची में था और उन्हें इसकी सूचना भी मिल गई थी, लेकिन पार्टी की ओर से जारी अंतिम सूची में उनका नाम शामिल नहीं था।

उन्होंने कहा, मैं पार्टी के भीतर हो रहे घटनाक्रम को देख रहा था। आज मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान हमारे नेतृत्व ने किया हुआ वादा पूरा नहीं किया। ऐसे में मेरे पास इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। मैंने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। पाटिल ने स्पष्ट किया कि उन्होंने पद के लिए इस्तीफा नहीं दिया है। उन्होंने कहा, यह मेरी अंतरात्मा को स्वीकार नहीं है। विजयपुरा जिले में स्थिति यह है कि कांग्रेस पार्टी में वफादारी और ईमानदारी का सम्मान नहीं किया जा रहा है। मेरे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। मैं अपने समर्थकों और शुभचिंतकों से बात करूंगा और आगे की रणनीति तय करूंगा।

उन्होंने कहा, 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले ही मुझे मंत्री पद देने का वादा किया गया था, लेकिन सरकार गठन के समय कहा गया कि ढाई साल बाद मौका दिया जाएगा।

अब वे अपना वादा पूरा करने में विफल रहे हैं। मेरे पास कोई विकल्प नहीं है। मैं पार्टी नहीं छोड़ रहा हूं, लेकिन उन्होंने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है कि मुझे इस्तीफा देना पड़ा। खुद को एक परिपक्व नेता बताते हुए पाटिल ने कहा, मैं अपने फैसलों से कभी पीछे नहीं हटता... यह मेरे विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं का अपमान है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में वरिष्ठ नेताओं को नहीं मिली जगह

एसएस मल्लिकार्जुन अंतिम समय में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार लिस्ट में कांग्रेस नेतृत्व द्वारा अंतिम समय में किए गए बदलावों से सोमवार को पार्टी के भीतर कुछ असंतोष पैदा हो गया। कई निराश विधायकों ने विधानसभा सदस्यता से इस्तीफा देने की धमकी दी, समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया और एक पार्टी कार्यकर्ता ने विरोध में जहर खा लिया। कांग्रेस हाई कमान ने शपथ ग्रहण समारोह से ठीक पहले मनकल एस. वैद्य को मंत्रियों की अंतिम लिस्ट से हटाकर पूर्व मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन को शामिल कर लिया है। मध्य कर्नाटक के वरिष्ठ लिंगायत नेता मल्लिकार्जुन को मंत्रिमंडल में शामिल करना पार्टी द्वारा मंत्रिमंडल में क्षेत्रीय और सामुदायिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा माना जा रहा है। अंतिम समय में हुए फेरबदल से कई उम्मीदवार बेहद नाराज हो गए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हंपनागौड़ा बदरली, अशोक पट्टन और राघवेंद्र हितनाल ने भी विस्तारित मंत्रिमंडल से बाहर रखे जाने पर सार्वजनिक रूप से निराशा व्यक्त की। इसी बीच, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और छह बार के विधायक तनवीर सैत के एक समर्थक द्वारा मंत्रिमंडल से बाहर किए जाने के विरोध में जहर खा लेने के बाद तनाव और बढ़ गया। समर्थक को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

तमिलनाडु ने पानी का वाजिब हिस्सा पाने के लिए न्यायालय का रुख किया

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को पड़ोसी राज्य कर्नाटक के साथ कावेरी जल विवाद को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए कहा कि कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) की ओर से उसे आवंटित पानी की मात्रा और पड़ोसी राज्य की ओर से छोड़े गए पानी की मात्रा कम है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के निर्देश पर तमिलनाडु सरकार ने शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की है। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर वरिष्ठ वकीलों के साथ चर्चा की थी।

कर्नाटक के जलाशयों कृष्णराज सागर (केआरएस), काबिनी, हारंगी और हेमवती में तीन अगस्त तक कुल 77.537 टीएमसी (अरब घन फुट) पानी था और कर्नाटक को तमिलनाडु के हिस्से का पानी छोड़ने में कोई परेशानी नहीं होगी। बयान में कहा गया है कि हाल में कर्नाटक के केआरएस और काबिनी बांधों के जल ग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश के बाद, बिलिगुंडलू में मिलने वाला पानी 26.954 टीएमसी होना चाहिए।

बयान के अनुसार, इस हिसाब से, कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण का 4.536 टीएमसी पानी आवंटित करने का आदेश उपयुक्त मात्रा से बहुत कम है।

इसमें कहा गया है कि कर्नाटक, तमिलनाडु को पानी का उसका वाजिब हिस्सा देने में ''नाकाम'' रहा है।

नदी में बहे व्यक्ति का शव बरामद

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले के बंटवाल तालुक में रई के पास एक नदी में बह गए 48 वर्षीय व्यक्ति का शव सोमवार को संगाबेट्टु इलाके से बरामद किया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान जीवन पिंटो के रूप में की गई है और वह शनिवार देर शाम बंटवाल तालुक में रई के निकट एक नदी में बह गया था। जिले में भारी बारिश के बीच राष्ट्रीय आपदा मोचक बल (एनडीआरएफ), अग्नि एवं आपात सेवा और स्थानीय निवासी पिछले दो दिनों से गहन खोज अभियान में लगे थे।

भारी बारिश से नेत्रावती नदी उफान पर

बंटवाल के निचले इलाकों में पानी भरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। पश्चिमी घाटों में लगातार भारी बारिश के बाद नेत्रावती नदी में बढ़ते जल स्तर से दक्षिण कन्नड़ जिले के बंटवाल तालुक में कई निचले इलाकों में पानी भर गया जिससे अधिकारियों को ऐतिहातन बाढ़ संभावित स्थानों से लोगों को बाहर निकालने को बाध्य होना पड़ा है। अधिकारियों ने कहा कि बंटवाल में नदी का जल स्तर रविवार शाम को 7.4 मीटर था और यह लगातार बढ़ते हुए सोमवार की सुबह 8.5 मीटर पर पहुंच गया। अधिकारियों ने कहा कि इससे बाढ़ का पानी पानेमंगलुरु और अलाडकापडपु समेत कई निचले इलाकों में मौजूद 15 से अधिक मकानों में घुस गया जिससे अधिकारियों द्वारा प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

अधिकारियों के मुताबिक, जलस्तर बढ़ने से बंटवाल में अलाडका, कांचीकारपेटे और कोटेकनी इलाके में कई सड़कें जलमग्न हो गईं जिससे वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का पानी भयंकरेश्वर मंदिर के आसपास और पानेमंगलूरु के श्मशान मैदान में भी भर गया है। इस बीच, लगातार बारिश के चलते उप्पीनांगडी में नेत्रावती और कुमारधारा नदियों का भी जलस्तर बढ़ा है। उप्पीनांगडी में नेत्रावती नदी का जलस्तर रविवार शाम 30.1 मीटर का निशान छू गया जिसके बाद इसमें मामूली गिरावट आई। यद्यपि डूब क्षेत्र में पानी भरा है, उप्पीनांगडी कस्बे में बाढ़ की कोई सूचना नहीं है।

हालांकि अधिकारियों ने कहा कि कुमारधारा नदी का जल स्तर बढ़ने से वीरमंगला में निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि आम लोगों को प्रभावित इलाकों में जाने से परहेज करने की सलाह दी गई है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी निगम के अधिकारी लगातार नदी के जल स्तरों पर नजर रख रहे हैं।

कर्नाटक मंत्रिमंडल विस्तार

मंत्री पद नहीं मिलने पर कुछ विधायकों ने इस्तीफे की पेशकश की

बेंगलूरु में गोविंदराजनगर की विधायक प्रिया कृष्णा के समर्थकों ने भी न्याय की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। राज्य के विभिन्न हिस्सों से मंत्री पद के दावेदारों के समर्थकों द्वारा ऐसे कई विरोध प्रदर्शनों की खबरें मिली हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार सोमवार को हो गया, लेकिन इसके साथ ही सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर असंतोष भी खुलकर सामने आ गया। मंत्री पद की उम्मीद लगाए बैठे कुछ विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने पर उन्होंने इस्तीफे की पेशकश की। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने नाराज नेताओं से धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि आज वह जिस पद पर हैं, वहां तक पहुंचने में धैर्य ने ही उनकी मदद की है। उन्होंने ऐसे समय यह अपील की, जब पार्टी के भीतर असंतोष बढ़ता दिख रहा है। मंत्री पद के कुछ दावेदारों के समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया, जबकि दो विधायकों ने विधायक पद से इस्तीफा देने की पेशकश की।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''कई विधायक हैं और उनमें से कई मंत्री बनने के योग्य हैं। मैं इससे इनकार नहीं कर रहा हूं। लेकिन कुछ परिस्थितियों में पार्टी को निर्णय लेना पड़ता है। वर्ष 2004 में मुझे भी मंत्री नहीं बनाया गया था। सिद्दरामय्या सरकार (2013-18) के दौरान भी शुरुआत में मुझे मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया था। मैंने धैर्य बनाए रखा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, आज मैं इसी धैर्य की वजह से इस पद पर बैठा हूं। मैं सभी से धैर्य रखने का आग्रह करता हूं। हम सभी के लिए अवसर पैदा करेंगे। कृपया धैर्य रखें।''

मंत्रिमंडल विस्तार में जगह नहीं मिलने से नाराज कांग्रेस विधायक यशवंतरायगौड़ा वी. पाटिल ने सोमवार को विधायक पद से अपना इस्तीफा सौंप दिया। सागर से विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने भी अपनी नाराजगी जताते हुए इस्तीफा देने की मंशा जाहिर की। गोपालकृष्ण ने कहा, ''मैं बेहद निराश हूं। ऐसा लगता है कि केवल प्रभावशाली लोगों और पूर्व मुख्यमंत्रियों तथा वरिष्ठ नेताओं के बच्चों को ही महत्व दिया जाता है, सामान्य विधायकों को नहीं। इससे मैं आहत हूं। मैं कल विधायक पद से इस्तीफा दूंगा।'' मैसूरु में विधायक तनवीर सैत के समर्थकों ने उन्हें मंत्री नहीं बनाए जाने के विरोध में मैसूरु-बेंगलूरु मार्ग पर चक्का जाम किया। प्रदर्शनकारी सड़क पर बैठ गए और न्याय की मांग करने लगे, जिससे यातायात बाधित हो गया। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। संवाददाताओं से बातचीत में सैत ने सवाल किया कि मंत्रिमंडल विस्तार किन आधारों पर किया गया। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही अपने समर्थकों और शुभचिंतकों की बैठक बुलाकर आगे की रणनीति तय करेंगे।

सैत ने आरोप लगाया कि पार्टी ने उनके साथ न्याय नहीं किया और जो लोग खुले तौर पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे तथा पार्टी नेतृत्व को चुनौती देते रहे, उन्हें पुरस्कृत किया गया। सैत ने कहा, ऐसा लगता है कि निष्ठा और ईमानदारी का कोई मूल्य नहीं रह गया है।''

बेंगलूरु में गोविंदराजनगर की विधायक प्रिया कृष्णा के समर्थकों ने भी न्याय की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। राज्य के विभिन्न हिस्सों से मंत्री पद के दावेदारों के समर्थकों द्वारा ऐसे कई विरोध प्रदर्शनों की खबरें मिली हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री का पद संभालने के दो महीने बाद डी. के. शिवकुमार ने सोमवार को 19 मंत्रियों को शामिल कर अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया।

रेल पहिया कारखाना
यलहंका, बेंगलूरु – 560064
वेबसाइट: www.rwf.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना संख्या: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2026-27/40 दिनांक: 28/07/2026

ई–निविदा: भारत के राष्ट्रपति की ओर से, प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता निम्नलिखित कार्यों के लिए वेबसाइट http://www.ireps.gov.in (कार्य) के माध्यम से ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.: 1। **निविदा संख्या:** आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2026–27/40 **दिनांक:** 28/07/2026। **कार्य का नाम:** एसपीसी बे में स्क्रैप व्हील कटिंग मशीन संख्या 1, 2, 3, 4 एवं 5 का आवश्यकता–आधारित अनुरक्षण। **अनुमानित लागत:** रु 16,32,300.00। **बयाना जमा राशि:** रु 32,700.00। **निविदा जमा करने की तिथि और समय:** 19.08.2026 को 10:30 बजे। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 माह।

ई-निविदा सूचना संख्या: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2026-27/43 दिनांक: 31/07/2026

क्र.सं.: 1। **निविदा संख्या:** आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2026–27/43 **दिनांक:** 31/07/2026। **कार्य का नाम:** मेल्टिंग मेंटेनेंस शॉप के स्टील मेल्ट शॉप में स्थित ईओटी क्रेनों की आवश्यकता–आधारित मरम्मत/सर्विसिंग। **अनुमानित लागत:** रु 14,03,000/-। **बयाना जमा राशि:** रु 28,100/-। **निविदा जमा करने की तिथि और समय:** 22.08.2026 को 10:30 बजे। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 30 माह।

उप-मुख्य यांत्रिक अभियंता/मेल्टिंग

ई-निविदा सूचना संख्या: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमआर/2026-27/44 दिनांक: 28/07/2026

क्र.सं.: 1। **निविदा संख्या:** आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमआर/2026–27/44। **कार्य का नाम:** मोल्डिंग रूम में आवश्यकता–आधारित निम्नलिखित कार्य: (क) मोल्डिंग रूम के बेसमेंट में मलबे की सफाई। (ख) मोल्डिंग रूम में कार्यदिवसों/अवकाश के दिनों में शॉप फ्लोर वर्कस्टेशन तथा कन्वेयरों पर मलबे की सफाई। **अनुमानित लागत:** रु 69,19,925.30। **बयाना जमा राशि:** रु 1,38,400/-। **निविदा जमा करने की तिथि और समय:** 19.08.2026 को 10:30 बजे। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 माह।

उप-मुख्य यांत्रिक अभियंता/W-I

ई-निविदा सूचना संख्या: आरडब्ल्यूएफ/ईएल/ओटी/डब्ल्यूएससी/2026-27/41 दिनांक: 31/07/2026

क्र.सं.: 1। **निविदा संख्या:** आरडब्ल्यूएफ/ईएल/ओटी/डब्ल्यूएससी/2026–27/41 **दिनांक:** 31/07/2026। **कार्य का नाम:** ऑफलाइन व्हील फाइनल प्रोसेसिंग (WFPS) सुविधा हेतु इलेक्ट्रिकल कार्य। **अनुमानित लागत:** रु 7,96,500.00। **बयाना जमा राशि:** रु 15,900.00। **निविदा जमा करने की तिथि और समय:** 22.08.2026 को 10:30 बजे। **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 06 माह।

निविदा सूचनाएँ एवं पात्रता संबंधी मानदंड हमारी वेबसाइट www.rwf.indianrailways.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

उप-मुख्य यांत्रिक अभियंता/मेल्टिंग

अभिनेत्री तृषा को लेकर 'द्विअर्थी' टिप्पणी करने पर उदयनिधि विवादों में घिरे

तंजावुर/भाषा। तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन सोमवार को अभिनेत्री तृषा को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद विवादों में घिर गए। उदयनिधि ने यहां कावेरी जल विवाद को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की उदासीनता के कारण तमिलनाडु को कावेरी का एक बूंद पानी भी नहीं मिला। रैली के दौरान उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब भीड़ में मौजूद एक व्यक्ति ने 'तृषा, तृषा'' के नारे लगाए। उदयनिधि ने इस पर अपना भाषण रोककर मुस्कुराते हुए कथित तौर पर 'द्विअर्थी'आपत्तिजनक टिप्पणी की, जिसके बाद उनका राजनीतिक विरोध शुरू हो गया।

तमिलनाडु की भाजपा इकाई के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने 'एक्स' पर कहा कि उदयनिधि की कथित 'द्विअर्थी'' टिप्पणी ''घृणित, अश्लील, आपत्तिजनक और शर्मनाक'' है। भाजपा नेता ने कहा, सचमुच, कोई बदमाश या चोर भी, जिसकी मां, पत्नी या बेटी हो, इतनी अभद्र भाषा में बात नहीं करेगा। कोई भी मां, पत्नी या बेटी ऐसी टिप्पणी करने वालों को माफ नहीं करेगी।'' उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी के लिए उदयनिधि को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाना चाहिए।

कावेरी जल विवाद : उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु सरकार पर साधा निशाना

तंजावुर। कर्नाटक के साथ कावेरी जल विवाद से निपटने और कृषि समुदाय की परेशानियों को लेकर तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को तंजावुर में एक प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। इस बीच, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि फसलों की सिंचाई हेतु कावेरी नदी में पानी की कमी के कारण डेल्टा क्षेत्र के किसानों की बदहाली के लिए टीवीके 'सरकार की लापरवाही' जिम्मेदार है। बड़ी संख्या में किसानों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भागीदारी वाले इस प्रदर्शन का आयोजन सभी कृषि ऋणों को पूरी तरह माफ करने, कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना का निर्माण रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप करने और डेल्टा जिलों को आधिकारिक रूप से सूखा प्रभावित घोषित करने की मांग को लेकर किया गया था।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए उदयनिधि ने कावेरी नदी की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि शुभ आदि पेरुक्कु' त्योहार के दौरान भी नदी रेगिस्तान जैसी दिखाई दे रही है, जबकि इस समय पारंपरिक रूप से नदियां पानी से लबालब रहती हैं। उन्होंने कहा कि 'कुरुवई' फसल पहले ही बर्बाद हो चुकी है और अब किसान आगामी 'सांबा' खेती को लेकर गहरे संकट में हैं। द्रमुक नेता ने मुख्यमंत्री पर 'डमी' नेता होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनमें प्रशासनिक क्षमता का अभाव है। उन्होंने कहा कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार तमिलनाडु को जून में 9.9 टीएमसी और जुलाई में 32 टीएमसी, यानी कुल 42 टीएमसी पानी मिलना था, लेकिन राज्य को एक बूंद पानी भी नहीं मिला।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो),
द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)
निर्माण एवं अनुरक्षण समूह
80 फीट रोड, एचएएल II चरण, बेंगलूरु-560008 फोन: 080-25037203/080-2503214

दिनांक: 03.08.2026

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई–निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

क्र. सं	कार्य का नाम व निविदा विवरण	निविदा का अनुमानित मूल्य	अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	कार्य समापन अवधि
1	रखरखाव का काम - एलपीएससी(बी) परिसर, बेंगलूरु में जलापूर्ति प्रणाली - नए बोरवेल को खोदने का कार्य ई-निविदा सूचना. LPSC(B)/CMD/02/2049/C/MI/017/2026-27 दिनांक: 03.08.2026	रु. 8.54 लाख	रु. 17,080/-	15 दिन

निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	04.08.2026 को 18.30 बजे से 12.08.2026 को 23.59 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण :	04.08.2026 को 20.00 बजे से 13.08.2026 को 10.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख :	13.08.2026 को 17.00 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय :	14.08.2026 को 11.00 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय :	14.08.2026 को 11.30 बजे से

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं। www.isro.gov.in, www.lpsc.gov.in

ह/- प्रमुख सीएमडी, एलपीएससी(बी)

सुविचार

असफलता अंत नहीं होती। यह सफलता की तैयारी होती है। गलतियों से सीखें, फिर से प्रयास करें, विजय अवश्य मिलेगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांकीपुर ने बढ़ाई विपक्ष की उलझन

बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में करारी हार और अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत जब्त करवा चुकी जन सुराज पार्टी ने बांकीपुर उपचुनाव में खाता खोल ही लिया। इसके उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने अच्छे–खासे अंतर के साथ चुनाव जीता है। उनकी जीत से बिहार सरकार की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। अलबत्ता जन सुराज को नई ऊर्जा जरूर मिल गई है। भाजपा को आत्म–मंथन करना चाहिए कि जो सीट उसका गढ़ मानी जाती थी, जिसका प्रतिनिधित्व उसके वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन कर चुके हैं, वहां एक नई–नवेली पार्टी कैसे जीत गई? प्रशांत किशोर पिछले कुछ वर्षों से बिहार में सक्रिय जरूर थे। जन सुराज के पास न तो वैसा मजबूत संगठन है, जैसा भाजपा के पास है, और न ही चुनावी राजनीति का कोई प्रत्यक्ष अनुभव है। प्रशांत किशोर साल 2025 के विधानसभा चुनाव में बिहार में बदलाव लाने के लिए बड़े–बड़े दावों को दोहराते हुए जनसभाएं कर रहे थे। उन्हें सुनने के लिए काफी संख्या में लोग आते थे, लेकिन वह जनबल वोटों में तब्दील नहीं हुआ। अब बांकीपुर उपचुनाव ने पार्टी को संजीवनी दे दी है। अगर प्रशांत किशोर यह चुनाव हार जाते तो उनकी साख को गहरा धक्का लगता। साथ ही, जन सुराज के भविष्य पर बड़ा सवालिया निशान लग जाता। इन चुनाव नतीजों से इतना बदलाव जरूर आएगा कि प्रशांत किशोर पहले जो सवाल जनसभाओं और सोशल मीडिया पर ही पूछ सकते थे, अब वे विधानसभा में पूछ सकेंगे। वे सम्राट चौधरी पर तब से तीखे तीर छोड़ते रहे हैं, जब वे मुख्यमंत्री भी नहीं थे। वे तेजस्वी यादव को घेरने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते हैं।

बांकीपुर में जन सुराज की जीत के पीछे कोई चमत्कार या करिश्मा नहीं है। अक्सर मतदाता उपचुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ वोट डालकर सरकार को यह संदेश देते हैं कि हम आपसे बेहतर काम की उम्मीद रखते हैं। इसके अलावा वे विपक्ष को 'जिंदा' रखना भी जरूरी समझते हैं। यूं तो बिहार विधानसभा में महागठबंधन के विधायक हैं। राजद प्रमुख घटक दल है, लेकिन बांकीपुर में महागठबंधन दूर–दूर तक दिखाई ही नहीं दिया। आंकड़े देखकर तो ऐसा लगता है कि महागठबंधन में शामिल दलों ने एक–दूसरे की जड़ें काटने में खूब ताकत लगाई है। राजद उम्मीदवार रेखा कुमारी 20 हजार वोट भी नहीं ले पाईं! निर्दलीय और अन्य दलों के उम्मीदवारों ने उनके कुछ वोट जरूर तोड़े हैं। हालांकि, उन वोटों की संख्या इतनी नहीं है कि पूरा नतीजा ही बदल जाए। मतदाताओं ने राजद के बजाय जन सुराज पर ज्यादा भरोसा किया है तो इसके पीछे नब्बे के दशक का वह साया भी जिम्मेदार है, जिससे यह दल आज तक पीछा नहीं छुड़ा सका है। प्रशांत किशोर बिहार में बेरोजगारी, पलायन, सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाते रहे हैं। भाजपा, जद (यू), राजद और अन्य दलों के नेता इन मुद्दों से जुड़े सवालों पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हैं। जनता चाहती है कि बिहार में रोजगार के अवसर हों, पलायन रुके, शिक्षा बेहतर हो और अच्छी चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हों। ये समस्याएं कैसे दूर होंगी, इतनी बड़ी आबादी को सुविधाएं कैसे मिलेंगी – इनका कोई ठोस जवाब प्रशांत किशोर पेश नहीं कर सके हैं, लेकिन उन्होंने लोकलुभावन वादे खूब कर दिए हैं। दशकभर पहले अरविंद केजरीवाल दिल्ली में ऐसे ही वादे करते थे। जनता उन वादों की ओर आकर्षित हुई थी। मतदाताओं ने उन्हें ईमानदारी और सादगी की प्रतिमा माना था। उसके बाद जो कुछ हुआ, वह सब इतिहास है। बांकीपुर के नतीजों ने विपक्ष की उलझन दो तरह से बढ़ा दी है। पहली, अगर भविष्य में जन सुराज मजबूत होगी तो किसके वोट सबसे पहले काटेगी? केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी ने सबसे ज्यादा कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया था। दूसरी, अब ईवीएम को दोष कैसे दें?

ट्वीटर टॉक

आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत खेल के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। अहमदाबाद में होने वाले शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स भारत की संगठनात्मक क्षमताओं, सांस्कृतिक समृद्धि और न्यू इंडिया के बढ़ते ग्लोबल प्रभाव का एक शक्तिशाली परिचय देंगे।

–दिया कुमारी

श्रावण मास के पहले सोमवार को माँ राजराजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का जल से स्नान और पूजा–पाठ किया गया, और महादेव से पूरे राज्य में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद मांगा गया।

–भजनलाल शर्मा

कॉमनवेल्थ गेम्स में अपने प्रदर्शन से भारत ने 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज़ समेत कुल 39 मेडल जीतकर मेडल टैली में चौथा स्थान हासिल किया है। यह खास गर्व की बात है कि भारतीय महिला एथलीटों ने अपने शानदार प्रदर्शन से 8 गोल्ड समेत कुल 16 मेडल जीते।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

प्रेम और मोह

एक दिन द्वारका में उद्धव ने श्रीकृष्ण से पूछा, 'हे माधव! संसार में लोग अक्सर मोह को ही प्रेम समझ लेते हैं। कृपया बताइए, प्रेम और मोह में वास्तविक अंतर क्या है?' श्रीकृष्ण बोले, 'उद्धव, मोह कहता है 'तुम मेरे हो।' और प्रेम कहता है 'मैं तुम्हारा हूं।' मोह किसी को बांधना चाहता है, जबकि प्रेम उसे स्वतंत्र देखकर भी प्रसन्न रहता है। मोह अधिकार चाहता है, प्रेम समर्पण करता है। मोह खोने से डरता है, जबकि प्रेम विश्वास करना सिखाता है।' उद्धव ने पूछा, 'प्रभु! फिर लोग मोह को ही प्रेम क्यों समझ बैठते हैं?' श्रीकृष्ण बोले, 'क्योंकि मोह में 'मैं' अधिक होता है और प्रेम में 'तुम'। जहां स्वार्थ समाप्त हो जाता है, वहीं से प्रेम का आरंभ होता है।' श्रीकृष्ण ने कहा, 'देखो उद्धव, मां का अपने बच्चे के लिए नि:स्वार्थ त्याग प्रेम है। मित्र का बिना किसी अपेक्षा के साथ निभाना प्रेम है। लेकिन किसी को अपनी इच्छा के अनुसार चलाने की ज़िद वह मोह है।' श्रीकृष्ण मुस्कुराए और बोले, 'उद्धव, जहां प्रेम होता है, वहां मन को शांति मिलती है। जहां मोह होता है, वहां भय, अपेक्षाएं और दु:ख जन्म लेते हैं। इसलिए प्रेम करो, लेकिन किसी को अपने बंधन में बांधने का प्रयास मत करो।'

सामयिक

तसलीमा नसरीन की सामाजिक संदर्भ में चिंता

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

कोलकाता में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बांग्लादेशी मूल की निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन ने जिन मुद्दों पर अपनी राय रखी, उन्होंने केवल साहित्यिक जगत ही नहीं बल्कि राजनीति, मानवाधिकार, लोकतंत्र और दक्षिण एशिया के सामाजिक विमर्श को भी नई चर्चा का विषय बना दिया। लगभग दो दशक बाद कोलकाता लौटने के बाद उनका यह सार्वजनिक संवाद कई कारणों से महत्वपूर्ण माना गया। उन्होंने कवि जय गोस्वामी के साथ मंच पर हुई घटना पर दुख व्यक्त किया, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन किया, समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर जोर दिया, बांग्लादेश की वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की और भारत तथा बांग्लादेश के संबंधों पर भी अपने विचार रखे। उनके वक्तव्यों ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा किया कि लोकतांत्रिक समाज में विचारों की असहमति और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। सबसे पहले चर्चा उस घटना की हुई जिसमें प्रसिद्ध बंगाली कवि जय गोस्वामी को मंच पर बुलाए जाने के बाद दर्शकों के एक वर्ग के विरोध के कारण उन्हें बोलने का अवसर नहीं मिल सका। तसलीमा नसरीन ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यदि किसी व्यक्ति के विचारों से असहमति है तो उसका उत्तर संवाद से दिया जाना चाहिए, न कि उसे बोलने से रोककर। उनके अनुसार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन तभी सार्थक है जब वह केवल अपने विचारों तक सीमित न रहकर विरोधी विचारों के लिए भी समान रूप से लागू हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी लेखक, कवि या बुद्धिजीवी को केवल वैचारिक मतभेद के आधार पर मंच से दूर रखना लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण बन गई क्योंकि तसलीमा नसरीन स्वयं पिछले तीन दशकों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के प्रश्न से जुड़ी रही हैं। अपने लेखन के कारण उन्हें बांग्लादेश छोड़ना पड़ा और लंबे समय तक विभिन्न देशों में निर्वासन का जीवन बिताना पड़ा। उन्होंने कई बार यह कहा है कि किसी भी लोकतंत्र की पहचान इस बात से होती है कि वहां असहमति रखने वाले लोगों को किस प्रकार का स्थान मिलता है। उनके अनुसार विचारों का मुकाबला विचारों से होना चाहिए, न कि प्रतिबंधों या भय के वातावरण से। यही कारण है कि उन्होंने जय गोस्वामी प्रकरण को केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि व्यापक लोकतांत्रिक संस्कृति का प्रश्न बताया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की विभिन्न सरकारों के साथ अपने अनुभवों का उल्लेख करते हुए कहा कि अलग अलग समय में उन्हें अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। उनके इस वक्तव्य ने राजनीतिक हलकों में भी चर्चा पैदा की। हालांकि उन्होंने साथ ही यह भी कहा कि किसी भी सरकार की वास्तविक कसौटी यह है कि वह सभी नागरिकों और लेखकों को बिना वैचारिक भेदभाव के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता उपलब्ध कराए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार का दायित्व केवल समर्थकों की सुरक्षा करना नहीं बल्कि आलोचकों की अभिव्यक्ति की भी रक्षा करना है।

तसलीमा नसरीन ने समान नागरिक संहिता के प्रश्न पर भी स्पष्ट समर्थन व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं बल्कि बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों में भी सभी नागरिकों के लिए समान कानून होना चाहिए। उनके अनुसार अलग अलग व्यक्तिगत कानूनों के कारण विशेष रूप से महिलाओं को अनेक प्रकार की असमानताओं का सामना करना पड़ता है। उनका तर्क था कि समान नागरिक संहिता का उद्देश्य किसी धर्म का विरोध करना नहीं बल्कि नागरिकों को समान अधिकार और समान कानूनी संरक्षण प्रदान करना होना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की संपत्ति, विवाह, तलाक और उत्तराधिकार से जुड़े अधिकारों का उल्लेख करते हुए कहा कि समान कानून लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

समान नागरिक संहिता का विषय स्वयं भारत में लंबे समय से सार्वजनिक और राजनीतिक बहस का विषय रहा है। इसके समर्थक इसे समानता और न्याय की दिशा में आवश्यक कदम मानते हैं, जबकि आलोचकों का मत है कि इस विषय पर व्यापक संवाद और सभी समुदायों की भागीदारी आवश्यक है। तसलीमा नसरीन का दृष्टिकोण इस बहस के एक पक्ष का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें महिलाओं के अधिकारों को केंद्र में रखा गया है। उनके वक्तव्य ने इस चर्चा को फिर से प्रमुखता दिलाई है। बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर बोलते हुए तसलीमा नसरीन ने चिंता व्यक्त की कि वहां धार्मिक कट्टरता और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जैसे मुद्दे अभी भी गंभीर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने और नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए सभी समुदायों के साथ समान व्यवहार

आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी देश की स्थिरता तभी संभव है जब वहां कानून का शासन हो और नागरिकों को बिना भय के अपने अधिकारों का उपयोग करने का अवसर मिले। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर भी अपने विचार व्यक्त किए और धार्मिक शिक्षा संस्थानों की भूमिका पर आलोचनात्मक टिप्पणी की। उनका मत था कि आधुनिक, वैज्ञानिक और धर्मनिरपेक्ष शिक्षा को प्राथमिकता मिलनी चाहिए ताकि बच्चों में तार्किक सोच और लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो सके। यह उनका व्यक्तिगत दृष्टिकोण है और स्वाभाविक रूप से इस विषय पर समाज के विभिन्न वर्गों की अलग अलग राय मौजूद है। शिक्षा, धर्म और राज्य के संबंधों को लेकर दक्षिण एशिया में लंबे समय से बहस चलती रही है और तसलीमा नसरीन के वक्तव्य ने इस बहस को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया।

भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर बोलते हुए उन्होंने दोनों देशों के ऐतिहासिक रिश्तों की चर्चा की। उन्होंने 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के दौरान भारत की भूमिका को याद करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध पूरे क्षेत्र की स्थिरता और विकास के लिए आवश्यक हैं। उनका मानना है कि सांस्कृतिक, आर्थिक और मानवीय संबंध राजनीतिक मतभेदों से कहीं अधिक गहरे होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों को कट्टरता और वैमनस्य फैलाने वाली शक्तियों से सावधान रहना चाहिए ताकि क्षेत्रीय सहयोग मजबूत हो सके।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के संबंध में भी उन्होंने अपनी राय व्यक्त की। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक राजनीतिक दल और नेता को कानून के दायरे में रहकर चुनाव लड़ने और जनता के बीच जाने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बहाली और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को स्वस्थ बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। यह भी स्पष्ट है कि बांग्लादेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों और विश्लेषकों के अलग अलग दृष्टिकोण हैं, इसलिए तसलीमा नसरीन की टिप्पणियों को उनके व्यक्तिगत राजनीतिक मत के रूप में देखा जाना चाहिए।

तसलीमा नसरीन का सार्वजनिक जीवन लगातार विवादों, समर्थन और विरोध के बीच रहा है। उनके लेखन का प्रमुख विषय महिलाओं के अधिकार, धार्मिक कट्टरता की आलोचना, मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता रहा है। यही कारण है कि उनके प्रत्येक सार्वजनिक वक्तव्य को केवल साहित्यिक टिप्पणी नहीं बल्कि व्यापक सामाजिक और राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में देखा जाता है। उनके समर्थक उन्हें निर्भीक लेखक मानते हैं जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने विचारों पर कायम रहती हैं, जबकि उनके आलोचक कई मुद्दों पर उनके विचारों को एकपक्षीय बताते हैं। लोकतांत्रिक समाज में ऐसे मतभेद स्वाभाविक हैं और स्वस्थ सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा भी हैं।

कोलकाता की यह प्रेस कॉन्फ्रेंस केवल एक साहित्यकार की वापसी का अवसर नहीं थी, बल्कि उसने यह भी याद दिलाया कि दक्षिण एशिया में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, महिलाओं के अधिकार, धर्म और राजनीति के संबंध, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती तथा पड़ोसी देशों के संबंध जैसे विषय आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने पहले थे। जय गोस्वामी प्रकरण से लेकर समान नागरिक संहिता और बांग्लादेश की राजनीतिक स्थिति तक तसलीमा नसरीन के वक्तव्यों ने अनेक बहसों को फिर से जीवित कर दिया है। इन मुद्दों पर अंतिम निष्कर्ष भले ही अलग अलग हो सकते हैं, लेकिन इतना स्पष्ट है कि लोकतांत्रिक समाज की मजबूती संवाद, सहिष्णुता और असहमति के सम्मान से ही संभव है। किसी भी विचार से सहमत या असहमत होने का अधिकार लोकतंत्र का हिस्सा है, किंतु उस अधिकार की रक्षा तभी हो सकती है जब हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का समान अवसर मिले। यही संदेश इस पूरे घटनाक्रम से सबसे अधिक महत्वपूर्ण रूप में उभरकर सामने आता है।

नजरिया

हॉकी की जर्सी पर सियासत

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित 'भगवाकरण' के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल–मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार–विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।

यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय–समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी–सफेद धारियों, न्यूजीलैंड ऑल ब्लैक्स' और ऑस्ट्रेलिया हरे–पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता।

अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ–साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती।

दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे खेलों का भगवाकरण' करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है। भारतीय सेना, राष्ट्रीय ध्वज, अनेक विश्वविद्यालयों, सांस्कृतिक परंपराओं तथा आध्यात्मिक जीवन में भी केसरिया का सम्मानजनक स्थान है। वहीं इस्लामी परंपराओं, सूफी परंपरा और अनेक एशियाई संस्कृतियों में भी यह रंग विभिन्न रूपों में प्रयुक्त होता रहा है। इसलिए किसी रंग को किसी एक धर्म या विचारधारा का स्थायी प्रतीक मान लेना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि वर्तमान राजनीतिक वातावरण में रंगों के प्रतीकात्मक अर्थ अत्यधिक संवेदनशील हो चुके हैं। इसलिए जब किसी राष्ट्रीय टीम की दशकों पुरानी पहचान बदली जाती है तो राजनीतिक प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठते हैं। ऐसी परिस्थितियों में खेल संस्थाओं का दायित्व और बढ़ जाता है कि वे अपने निर्णयों के पीछे के सभी तथ्य, वैज्ञानिक अध्ययन और खिलाड़ियों की राय सार्वजनिक करें ताकि अनावश्यक विवाद की गुंजाइश कम हो। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि क्या वास्तव में नीली जर्सी खिलाड़ियों के प्रदर्शन में बाधा बन रही थी? कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने इस तकनीकी तर्क पर प्रश्न उठाए हैं। उनका कहना है कि कई वर्षों से नीले एस्ट्रो टर्फ पर प्रतियोगिताएं हो रही हैं और कभी ऐसी गंभीर समस्या सामने नहीं आई। यदि वास्तव में दृश्यता का प्रश्न था तो क्या इस संबंध में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ का कोई वैज्ञानिक अध्ययन उपलब्ध है? यदि हॉकी इंडिया इस विषय में विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट सार्वजनिक करे तो बहस अधिक तथ्यपरक हो सकती है।

हालांकि आधुनिक खेल विज्ञान यह स्वीकार करता है कि रंगों का खिलाड़ियों की दृश्य पहचान, प्रतिक्रिया समय और निर्णय क्षमता पर प्रभाव पड़ सकता है। कई खेलों में उच्च कंट्रास्ट वाले रंगों का चयन इसी कारण किया जाता है। प्रसारण तकनीक, कैमरा एंगल और दर्शकों की दृश्य सुविधा भी अब जर्सी डिजाइन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसलिए तकनीकी आधार को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। पूरे विवाद का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पक्ष यह है कि चर्चा खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति और पदक की संभावनाओं से हटकर जर्सी के रंग तक सीमित हो गई है। भारत की पुरुष और महिला दोनों हॉकी टीमें पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय सुधार कर चुकी हैं। टोक्यो ओलंपिक में पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीतकर चार दशक का सूखा समाप्त किया जबकि महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन कर विश्व का ध्यान आकर्षित किया। अब जब विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट सामने हैं, तब खिलाड़ियों का ध्यान केवल अपने प्रदर्शन पर केंद्रित रहना चाहिए, किसी भी प्रकार का राजनीतिक या वैचारिक विवाद खिलाड़ियों पर अनावश्यक मानसिक दबाव डाल सकता है।

बहरहाल, वास्तविक प्रश्न यह नहीं है कि नीली हो या केसरिया बल्कि यह है कि क्या भारतीय हॉकी विश्व विजेता बनने की तैयारी कर रही है? क्या हमारे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, फिटनेस सुविधाएं, खेल विज्ञान, मनोवैज्ञानिक सहयोग, आधुनिक विश्लेषण तकनीक और मजबूत घरेलू प्रतियोगिताएं उपलब्ध हैं? क्या जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं? यदि इन प्रश्नों के उत्तर सकारात्मक नहीं हैं तो केवल जर्सी बदल देने से भारतीय हॉकी का भविष्य नहीं बदल सकता। इतिहास बताता है कि महान टीमें अपने रंग से नहीं, अपने खेल से अमर होती हैं। खेल में पहचान रंग से नहीं, उपलब्धियों से बनती है। यदि भारतीय टीम केसरिया जर्सी पहनकर विश्व कप जीतती है तो यही जर्सी नई गौरवगाथा का प्रतीक बन जाएगी। और यदि प्रदर्शन निराशाजनक रहा तो रंग चाहे कोई भी हो, आलोचना फिर भी होगी। खेल का सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र का सम्मान है। मैदान पर खिलाड़ी न किसी विचारधारा का प्रतिनिधित्व करते हैं और न किसी दल का; वे केवल भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए जर्सी का रंग चाहे नीला हो, केसरिया हो या कोई और, देश की अपेक्षा केवल यही है कि भारतीय तिरंगा विश्व हॉकी के सर्वोच्च मंच पर सबसे ऊंचा लहराना चाहिए। वही किसी भी रंग की सबसे बड़ी सार्थकता होगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रमंडल खेल : मुक्केबाज चमके, जूडो में दिखाया दम, उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन रहा भारत का

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्लास्गो/भाषा। राष्ट्रमंडल खेल 2026 में कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत का रिकॉर्ड अच्छा रहा है लेकिन इसके बावजूद देश ने उम्मीद से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया तथा मुक्केबाजों, जूडो खिलाड़ियों और पैरा एथलीटों के दमदार प्रदर्शन के बलबूते पर 39 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया। इस बार राष्ट्रमंडल खेलों में केवल 10 खेल शामिल थे। कुश्ती, निशानेबाजी, बैडमिंटन और हॉकी जैसे खेल इसमें शामिल नहीं थे जिनमें भारत का प्रदर्शन अच्छा रहा है। खेलों के शुरू होने से पहले नहीं लग रहा था कि भारत शीर्ष पांच में जगह बना पाएगा। लेकिन भारत का 122 सदस्यीय दल 13 स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक लेकर लौटा, जिससे पता चलता है कि देश अन्य खेलों में भी अच्छी प्रगति कर रहा है।

भारत को चौथा स्थान दिलाने में मुक्केबाजी की भूमिका अहम रही। भारतीय मुक्केबाजों ने राष्ट्रमंडल खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदक और कुल मिलाकर 10 परक हासिल किए। जहां महिला मुक्केबाजों ने उम्मीदों पर खरा उतरते हुए शानदार प्रदर्शन किया, वहीं पुरुषों ने भी अपना पूरा दम दिखाया। इस प्रदर्शन को हालांकि इस संदर्भ में देखना जरूरी है कि कई यूरोपीय और एशियाई देशों की अनुपस्थिति के कारण प्रतियोगिता ओलंपिक या विश्व चैंपियनशिप जितनी कठिन नहीं थी। फिर भी भारत ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया। इसके अलावा जूडो भी भारत के लिए एक और बड़ा सकारात्मक पहलू था।

लंबे समय से हाशिये पर रहने वाले इस खेल में राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अपने पिता के निधन के कुछ महीनों बाद अस्मिता डे का स्वर्ण पदक और हर्ष सिंह का खिताब पिछले कुछ वर्षों में इस खेल में देश की निरंतर प्रगति का पता चलता है। भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने भी बड़े मंच पर अपनी प्रगति जारी रखी। पावरलिफ्टिंग से लेकर एथलेटिक्स तक, भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि पैरालंपिक खेलों में उनकी सफलता कोई संयोग नहीं थी। विभिन्न खेलों में मिले पदकों से देश की पैरा खेलों में बढ़ती ताकत का पता चलता है।

एथलेटिक्स में भारत का प्रदर्शन मिश्रित रहा। चोट से उबरकर लौटे ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा और पदक के कुछ अन्य दावेदार भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। लेकिन एथलेटिक्स में कुछ यादगार प्रदर्शन भी देखने को मिले।

तेजस्विन शंकर ने घुटने की चोट से उबरते हुए डेकाथलॉन में पदक जीता, गुलवीर सिंह ने लंबी दूरी की दौड़ में अपनी छाप छोड़ी और वह दो पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी रहे। मुरली श्रीशंकर ने चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में एक और रजत पदक जीता। भारोत्तोलन की बात करें तो चार साल पहले बर्मिंघम में तीन स्वर्ण पदकों सहित 10 पदक लेकर लौटने के वाले भारतीय भारोत्तोलकों ने इस बार आठ पदक जीते, लेकिन इनमें केवल एक स्वर्ण पदक शामिल है, जो मीराबाई चानू ने जीता था।

अन्य खेलों की बात करें तो भारत लॉन बाउल्स में बर्मिंघम में जीते गए ऐतिहासिक स्वर्ण और रजत पदकों के प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाया। इसके अलावा साइकिलिंग और तैराकी में भी भारतीय खिलाड़ी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए।

एथलेटिक्स में भी भारत और बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। लेकिन इन खेलों से यह स्पष्ट हो गया कि भारत अब कुछ खेलों तक ही सीमित नहीं है। भारत अब 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के 100 साल पूरे होने पर इन खेलों की मेजबानी करेगा। ग्लास्गो का प्रदर्शन भारत के लिए सकारात्मक पहलू रहा है और पूरी उम्मीद है कि चार साल बाद वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेगा।

भारत, उज्बेकिस्तान को द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान को अगले तीन वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि खनन, दवा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.5 अरब अमेरिकी डॉलर का है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में व्यापार को अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने यहां 'इंडिया-उज्बेकिस्तान बिजनेस फोरम' की बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''आइए, अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य रखें।'' उन्होंने दोनों देशों के कारोबारियों से एक-दूसरे की अर्थव्यवस्था में निवेश करने का भी आह्वान किया। गोयल ने कहा कि जहां भारत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कुशल कार्यबल और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में मजबूत है..वहीं उज्बेकिस्तान खनन तथा कपास उत्पादन जैसे क्षेत्रों में अवसर प्रदान करता है।

मंत्री ने कहा कि ''यदि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत शुरू करने पर विचार करें तो यह एक अच्छा विचार है। हम इस दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।'' कार्यक्रम में उज्बेकिस्तान के निवेश, उद्योग एवं व्यापार मंत्री लाजिज कुदरातोव ने कहा कि दोनों देशों के बीच मौजूदा व्यापार वास्तविक संभावनाओं की तुलना में काफी कम है और इसे बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों को मिलकर काम करना चाहिए।

अभिनेत्री अदिति शर्मा की शिकायत पर पति और ससुराल पक्ष के दो सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने टेलीविजन अभिनेत्री अदिति शर्मा की शिकायत के आधार पर उनके पति और ससुराल पक्ष के दो सदस्यों के खिलाफ उत्पीड़न के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। रब से है दुआ और अपोल्लोना - सपनों की ऊंची उड़ान धारावाहिकों में काम कर चुकीं अदिति शर्मा ने अपनी शिकायत में शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, मारपीट, अपशब्द कहने, चरित्र पर सवाल उठाने और शादी में मिले आभूषणों के कथित दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं।

अदिति शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी मुलाकात पति अभिनीत विद्यानंद कौशिक से जून 2021 में एक ऑनलाइन अभिनय कक्षा के दौरान हुई थी और बाद में दोनों करीब आ गए। शिकायत के अनुसार, दोनों

सितंबर 2024 में मुंबई के गोरेगांव इलाके में साथ रहने लगे और परिवारों की सहमति से नवंबर 2024 में विवाह कर लिया। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ दिनों बाद ही उनके पति का व्यवहार बदल गया और कपड़ों को लेकर तथा अन्य छोटी-छोटी बातों पर अक्सर विवाद होने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पति घर के खर्च में योगदान देने के बजाय उनसे नियमित रूप से पैसे लेते थे। शिकायत में कहा गया है कि एक बार कहासुनी होने के बाद पति ने उनके चरित्र पर संदेह करना शुरू कर दिया, उन पर बेवफाई के आरोप लगाए, बार-बार उनका मोबाइल फोन जांचा और उन्हें अपने माता-पिता से बात करने से भी रोक दिया।

अदिति शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी सास ने शादी के दौरान मिले मंगलसूत्र सहित अन्य आभूषण अपने पास रख लिए और बार-बार मांगने के बावजूद वापस नहीं किए। अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि विवाद सुलझाने के प्रयासों के दौरान उनकी सास और ननद ने उनके पति का पक्ष लिया तथा उन्हें लगातार परेशान किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर गोरेगांव पुलिस ने 30 जुलाई को उनके पति, सास और ननद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 85 (महिला के साथ पति या उसके रिश्तेदार द्वारा क्रूरता), 316(2) (आपराधिक विश्वासघात), 352 (शांति भंग के लिए उकसाने के इरादे से जानबूझकर अपमान) और 3(5) (साझा मंशा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

असम में बाढ़ राहत कार्यों के लिए 21 करोड़ रु. देगा रिलायंस फाउंडेशन

गुवाहाटी/दक्षिण भारत। असम में बाढ़ पीड़ित परिवारों की मदद के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 21 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है। यह राशि राज्य में पहले से चलाए जा रहे राहत कार्यों के अलावा दी जाएगी। शिवसागर और चराइदेव जिलों में फाउंडेशन की टीमें भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं, अस्थायी आश्रय और पशुओं की देखभाल से जुड़े कार्यों में जुटी हैं।

रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन नीता एम अंबानी ने बाढ़ पीड़ित परिवारों से कहा, 'आप अकेले नहीं हैं। हम आपके साथ खड़े हैं और आने वाले दिनों में भी आपके साथ बने रहेंगे। हम मिलकर जीवन को फिर से पटरी पर लाएंगे और उम्मीद को दोबारा जगाएंगे।' असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने नीता अंबानी और रिलायंस फाउंडेशन का आभार जताया है।

न्यायालय ने लापता भारतीय नाविक का पता लगाने के सरकार को निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को विदेश मंत्रालय से कहा कि वह अपने कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग कर 25 जुलाई को काला सागर में ड्रोन हमले का शिकार हुए मालवाहक जहाज से लापता भारतीय नाविक का पता लगाए। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास और रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास से निर्देश प्राप्त करें तथा मालवाहक जहाज एमवी एजीएन रैग्नर पर सवार दीपक कुमार गुप्ता के बारे में जानकारी हासिल करें। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई शुक्रवार को निर्धारित की है। उच्चतम न्यायालय लापता नाविक के बड़े भाई संदीप कुमार गुप्ता द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में विदेश मंत्रालय को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि वह यूक्रेन और रोमानिया स्थित भारतीय दूतावासों के साथ समन्वय कर दीपक कुमार गुप्ता की खोज और बचाव अभियान चलाए। याचिका में कहा गया है कि संदीप गुप्ता ने यह याचिका इसलिए दायर की, क्योंकि भारत सरकार और रोमानिया में भारतीय दूतावासों से परिवार द्वारा लगातार किए गए अनुरोधों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिका के अनुसार, परिवार ने 26 जुलाई से 30 जुलाई के बीच विदेश मंत्रालय तथा दोनों देशों में भारतीय दूतावासों को कई पत्र लिखे, लेकिन न तो कोई जवाब मिला और न ही किसी तरह का सकारात्मक आश्वासन दिया गया।

दीपक कुमार गुप्ता (आयु 22 वर्ष) उस समय लापता हो गए थे, जब भारतीय चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा एक व्यापारी मालवाहक जहाज यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के निकट ड्रोन हमले की चपेट में आ गया था। परिजनों के अनुसार, बरेली जिले के भरतौल गांव के निवासी दीपक एमवी एजीएन रैग्नर नामक व्यापारी मालवाहक जहाज पर चालक दल के सदस्य के रूप में कार्यरत थे। हालांकि, उनका परिवार मूल रूप से बिहार के सिवान जिले का रहने वाला है, लेकिन पिछले कई वर्षों से बरेली के भरतौल गांव में रह रहा है।

'स्पाइडर-मैन : ब्रांड न्यू डे' ने कमाए 300 करोड़ रुपये से अधिक

नई दिल्ली/भाषा। टॉम हॉलैंड और जेंडाया अभिनीत फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रांड न्यू डे' ने भारत में बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। डेस्टिन डैनियल क्रेटन के निर्देशन में बनी यह फिल्म भारत में 30 जुलाई को रिलीज हुई थी, और इसका वैश्विक प्रदर्शन इसके एक दिन बाद शुरू हुआ। फिल्म में टॉम हॉलैंड ने स्पाइडर-मैन की भूमिका को दोहराया है, जबकि जेंडाया ने मिशेल जोन्स-वॉटसन का किरदार निभाया है। फिल्म में जैकब बैटलन ने नेड लीड्स, क्रोंडन ने टॉम्बस्टोन और सैडी सिंक ने जीन ग्रे की भूमिका निभाई है। बॉक्स ऑफिस पर नजर रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने अब तक 310.38 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है। दुनियाभर में फिल्म की कुल कमाई 92.7 करोड़ डॉलर तक पहुंच गई है।

फिल्म में हॉलैंड का किरदार एक नए खतरे का सामना करता है। इसी दौरान अपने जीवन की चुनौतियों के बीच उसके शरीर में आए अप्रत्याशित बदलावों से भी उसे जूझना पड़ता है। 'ब्रांड न्यू डे' मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की 38वीं फिल्म है। इसका निर्माण केविन फाइगी और एमी पास्कल ने किया है। फिल्म में मार्क रफालो ने ब्रूस यानी द हल्क की भूमिका, जॉन बर्नथल ने द पनिशर और माइकल मांडो ने स्कॉर्पियन का किरदार निभाया है।

अक्षय सच में कमाल के अभिनेता हैं : अनिल कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म 'गांधी, माई फादर' ने सोमवार को अपनी रिलीज के 19 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर फिल्म के निर्माता अनिल कपूर ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म का जश्न मनाया। साथ ही, अक्षय खन्ना के अभिनय की जमकर सराहना की। अनिल कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का पोस्टर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने अक्षय खन्ना को इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के 'सबसे अच्छे एक्टर' में से एक कहा। उन्होंने लिखा, अगर आपने अभी तक इस फिल्म को नहीं देखा है, तो मुझे सच में उम्मीद है कि आप इसे देखेंगे। यह एक ऐसी फिल्म है जिस पर मुझे बहुत गर्व है, और यह मेरे साथ हमेशा रहेगी। आपको यह जहां भी मिले, इसे जरूर देखें। इसी के साथ स्टोरीज सेक्शन के दूसरी स्लाइड पर अभिनेता अनिल कपूर ने अक्षय खन्ना के साथ तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आज अक्षय खन्ना को दर्शकों की तरफ से ढ़ेर सारे प्यार को देखकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैंने हमेशा माना है कि वह हमारे सबसे अच्छे एक्टर्स में से एक हैं और फिल्म 'गांधी, माई फादर' में उन्होंने सच में कमाल की अदाकारी की थी। अगर किसी

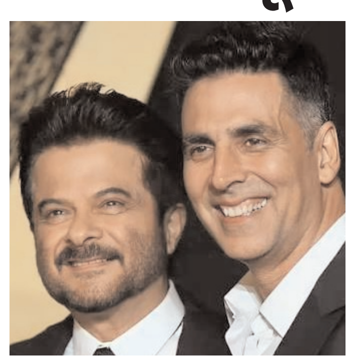

ने भी फिल्म देखी है, तो मुझे लगता है कि आप ठीक-ठीक समझ गए होंगे कि मैं कहना क्या चाहता हूं।

साल 2007 में फिरोज अब्बास खान के निर्देशन में बनी और अनिल कपूर द्वारा निर्मित फिल्म महात्मा गांधी और उनके सबसे बड़े बेटे हरिलाल गांधी के बीच के तनावपूर्ण और दर्दनाक रिश्तों पर आधारित थी। फिल्म में अक्षय के साथ, दर्शन जरीवाला, भूमिका चावला और शेफाली शाह भी अहम रोल में हैं।फिल्म के जरिए निर्देशक ने महात्मा गांधी के महान व्यक्तित्व के साये में अपनी पहचान बनाने के लिए संघर्ष कर रहे उनके बेटे हरिलाल की असफलताओं और दोनों के बीच की भावनात्मक दूरियों को दर्शाया है।

नेहा धूपिया, आदिल हुसैन अभिनीत फिल्म '52 ब्लू' आईएफएफएम में प्रदर्शित होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री नेहा धूपिया और अभिनेता आदिल हुसैन अभिनीत फिल्म '52 ब्लू' मेलबर्न के भारतीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होगी। फिल्म के निर्देशन अली एल अरबी हैं। इसकी कहानी आशीष (यादव शशिधर) नामक एक युवा फुटबॉल प्रेमी के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपनी मां के समर्थन से कोच्चि में अपने एकाकी जीवन से निकलकर 2022 के फीफा विश्व कप के दौरान कतर की यात्रा करता है, ताकि अपने आदर्श खिलाड़ी लियोनेल मेसी से मिल सके।

धूपिया ने एक बयान में कहा, ''मैं बेहद आभारी हूं कि '52 ब्लू' मेलबर्न में भारतीय फिल्म महोत्सव में दिखायी जाएगी। हर फिल्म की अपनी एक यात्रा होती है लेकिन कुछ कहानियां एक कलाकार के रूप में आप पर गहरी छाप छोड़ जाती हैं और '52 ब्लू' निश्चित रूप से उन्हीं में से एक है। यह बेहद भावनात्मक और ईमानदार कहानी है, जो कैमरा बंद होने के बाद भी लंबे समय तक मेरे साथ बनी रही।''

अभिनेत्री ने कहा कि वह चाहती हैं कि यह फिल्म दर्शकों के दिलों को छुए और उनसे गहरा जुड़ाव स्थापित करे। उन्होंने कहा, ''भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न ने हमेशा विविध आवाजों और सार्थक कहानियों का सम्मान किया है। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर '52 ब्लू' का प्रदर्शन हमारी पूरी टीम के लिए बेहद गर्व की बात है। मैं ऑस्ट्रेलिया के दर्शकों के साथ इस अनुभव को साझा करने और उनकी प्रतिक्रियाएं जानने को लेकर उत्साहित हूं।''

मैरीलैंड के गवर्नर मूर ने राज्य के विकास में तेलुगु समुदाय के योगदान की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के गवर्नर वेस मूर ने तेलुगु समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह समुदाय तकनीकी और चिकित्सा क्षेत्र में राज्य के मजबूती के साथ आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मूर ने रविवार को बाल्टीमोर में अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन (एटीए) के 19वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए मैरीलैंड की लेफ्टिनेंट गवर्नर कात्रागड्डा मिलर के नेतृत्व को भी रेखांकित किया। मिलर का जन्म हैदराबाद में हुआ था। वर्ष 2022 में मूर और मिलर ने इतिहास रचा था। मूर मैरीलैंड के पहले निर्वाचित अश्वेत गवर्नर बने, जबकि मिलर राज्य की पहली अश्वेत अल्पसंख्यक महिला लेफ्टिनेंट गवर्नर बनीं।

अमेरिका के 250 साल के इतिहास में अब तक केवल तीन अश्वेत व्यक्ति ही किसी राज्य के गवर्नर चुने गए हैं। तीन दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए मूर ने कहा, तेलुगु समुदाय मैरीलैंड की तकनीकी, चिकित्सा, कारोबारी और शैक्षणिक क्षेत्र में मजबूती के केंद्र में है।

इस सम्मेलन में अमेरिका भर से हजारों तेलुगु समुदाय के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में वर्जीनिया की लेफ्टिनेंट गवर्नर गजाला हाशमी ने भी हिस्सा लिया। उनका जन्म भी हैदराबाद में हुआ था और वह चार वर्ष की उम्र में अपने माता-पिता के साथ अमेरिका चली गई थीं। सम्मेलन में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, तेलंगाना विधान परिषद के सभापति गुट्टा सुखेंदर रेड्डी, पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव, विधायक टी. राममोहन रेड्डी, येन्नेम श्रीनिवास रेड्डी, मनोहर रेड्डी और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव सहित कई प्रमुख लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में वरिष्ठ अभिनेता राजेंद्र प्रसाद और पार्श्व गायिका सुनीता उपद्रष्टा सहित कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियों ने भी भाग लिया। वर्ष 1991 में स्थापित अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन शिक्षा संबंधी पहलों, युवाओं के विकास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों, मानवीय सहायता, छात्रवृत्तियों और सामुदायिक सेवा के माध्यम से हजारों परिवारों के लिए काम करता है।

पवित्र श्रावण (सावन) मास के पहले सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए नर्मदा जल लेकर कांवड़ यात्रा निकालते श्रद्धालु।

रेमो डिसूजा की अगली एक्शन एंटरटेनर में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आएंगी नुसरत भरुचा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं।सूत्र ने बताया, टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी।

यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर

करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज़ हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।'ए फ्लाइंग जट्ट' के बाद फिर साथ आए टाइगर और रेमोटाइगर श्रॉफ और रेमो डिसूजा की पिछली फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में टाइगर ने अमन ढिल्लों का किरदार निभाया था, जो एक रहस्यमयी घटना के बाद सुपरपावर्स हासिल कर सुपरहीरो बन जाता है और खलनायक राका से मुकाबला करता है। फिल्म में जैकलीन फर्नांडिस, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार नेथन जोन्स, के.के. मेनन, अमृता सिंह और गौरव पांडे जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में थे।आने वाली इस फिल्म में टाइगर एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आएंगे, जबकि नुसरत का किरदार भी कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। फिलहाल फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और रिलीज़ डेट को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।टाइगर और नुसरत के आगामी प्रोजेक्टस टाइगर श्रॉफ हाल ही में निर्देशक ए. हर्षा की फिल्म 'बागी 4' में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ संजय दत्त, हरनाज़ संधू, सोनम बाजवा और श्रेयस तलपड़े जैसे कलाकार भी थे। वहीं नुसरत भरुचा की हालिया रिलीज़ कॉमेडी-थ्रिलर 'उफ्फ ये सियापा' थी, जिसमें उन्होंने सोहम शाह के साथ स्क्रीन शेयर की थी। रेमो डिसूजा, टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा की यह नई साझेदारी दर्शकों के लिए एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव साबित हो सकती है। दमदार एक्शन, नई स्टारकास्ट और दिलचस्प कहानी के साथ यह फिल्म पहले से ही काफी चर्चा बटोर रही है।

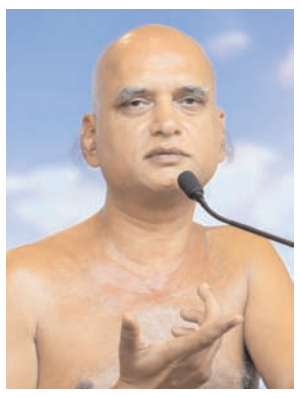

आत्मसंदेह ही सफलता की सबसे बड़ी बाधा, सजगता से पाएँ मन पर विजय : संतश्री वीरसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय परिसर तुबरहल्ली में विराजितमुनिश्री वीरसागरजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य की सफलता में सबसे बड़ी बाधा बाहरी परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि उसके मन में छिपा आत्म-संदेह है। उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति अपने मन को सजगता, सकारात्मक चिंतन और अनुशासित जीवनशैली के माध्यम से प्रशिक्षित करे, तो वह अपने लक्ष्य सहज रूप से प्राप्त कर सकता है। मुनिश्री ने कहा कि आज अनेक लोग अपनी इच्छाओं की पूर्ति और सकारात्मक चिंतन के सिद्धांतों को समझने का प्रयास करते हैं, किंतु मन में बैठे संदेह, भय और नकारात्मक संस्कार उनके मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि आत्म-संदेह व्यक्ति की एकाग्रता, निर्णय क्षमता और लक्ष्य प्राप्ति की शक्ति को कमजोर करता है। इससे मुक्त होने के लिए उन्होंने ध्यान, सजग श्वास, सकारात्मक कल्पना, नियमित व्यायाम, प्रेरणादायक साहित्य का अध्ययन तथा सकारात्मक संकल्पों के निरंतर अभ्यास को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की प्रेरणा दी।ङ्कङ्कमुनिश्री ने कहा कि सजगता का अर्थ है वर्तमान क्षण में पूर्ण जागरूक होकर जीना। सजग श्वास और सजग भोजन जैसे सरल अभ्यास मन को भटकने से रोकते हैं तथा व्यक्ति को अपने विचारों और भावनाओं पर नियंत्रण रखने में सहायता करते हैं। उन्होंने अनासक्त भाव का महत्व बताते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने कर्तव्य और पुरुषार्थ में पूर्ण समर्पण रखना चाहिए, किंतु उसके परिणाम के प्रति आसक्ति नहीं रखनी चाहिए। यही दृष्टिकोण मानसिक तनाव को कम करता है, आत्मविश्वास को बढ़ाता है तथा जीवन में स्थिरता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन केवल आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन, आत्मानुशासन और सफल जीवन जीने की भी व्यवहारिक शिक्षा प्रदान करता है।

कोई भी काम उचित समय पर कर लेना चाहिए : संतश्री लोकेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में लोकेशमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि काल की प्रतिलेखना करने से ज्ञानावर्णीय क्षय होता है। जो कार्य जिस समय पर किया जाता है उस समय कर लेना चाहिए। समय पर उठें, समय पर भोजन करें, सामयिक कार्य करें। अगर सही समय का सदुपयोग नहीं करते हैं तो ज्ञानवर्णीय कर्म का क्षय नहीं होगा।

व्यर्थ का कार्य करने से बचें, मन को एकाग्र कर प्रभु की भक्ति करें। बहुत लोग प्रयास तो करना चाहते हैं लेकिन सफलता नहीं प्राप्त होती है। समय सबके पास होता है, लेकिन सबका जीवन अस्त व्यस्त है। काजल की आँख में जितनी जरूरत है उतना ही लगाया जाता है, ज्यादा लगाने से आँख के साथ मुंह भी ख़राब हो जाता है। समझ आपको अपनी बुद्धि से मिलती है, अगर समय निकल गया तो समझ रहकर भी कोई काम का नहीं। ङ्क संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि आजकल हमारे पास सभी सुख सुविधा है, यह जीवन अनमोल है, पुण्य से प्राप्त जीवन का आनंद ले। आज के युग में मोबाइल, टीवी में समय और पैसा दोनों का दुरुपयोग हो रहा है।

इन साधनों के अत्याधिक व गलत उपयोग से व्यक्ति चोरी करना, हत्या करना, लड़ाई-झगड़ा करना सीख रहा है। संघ के मंत्री अशोक बाँठिया ने संचालन किया।

तेयुप गांधीनगर राजाजीनगर, टी. दासरहल्ली एवं यशवंतपुर द्वारा मंत्र दीक्षा कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर, राजाजीनगर, टी. दासरहल्ली एवं यशवंतपुर द्वारा संयुक्त रूप से मंत्र दीक्षा कार्यशाला का आयोजन रविवार को साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में किया गया। साध्वीश्री के सान्निध्य में लगभग 400 ज्ञानार्थी बच्चों ने मंत्र दीक्षा कार्यशाला में सहभागिता की। साध्वीश्री ने मंत्र दीक्षा के आध्यात्मिक, नैतिक एवं संस्कारात्मक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाल्यावस्था में प्राप्त श्रेष्ठ संस्कार जीवन की अमूल्य पूंजी हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को नियमित रूप से ज्ञानशाला भेजने का आह्वान करते हुए संस्कारमय शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

इस कार्यक्रम में 9 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 40 बच्चों को मंत्र दीक्षा प्रदान की गई। इस अवसर पर मंत्र-जप, नवकार मंत्र के महत्व तथा दैनिक साधना के लिए बच्चों को प्रेरित किया गया।

वनबंधु परिषद महिला समिति के एफटीएस मेले में ग्राहकों का दिखा उत्साह

अतिथियों व प्रायोजकों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वनबंधु परिषद महिला समिति द्वारा जेपी नगर एमएलआर सभागार में एफटीएस मेला-4.0 का दो दिवसीय आयोजन सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि रोटेरियन एकेएन रविशंकर डाकोजू, पॉला रविशंकर डाकोजू और विशिष्ट अतिथि के रूप में मुरारीलाल सरावगी ने फीता खोलकर मेले का शुभारंभ किया। एफटीएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल, बेंगलूरु अध्यक्ष हाथीमल बैद, राष्ट्रीय महिला सचिव रेनू कनोड़िया, संगठन सचिव सरिता भंसाली, महिला समिति अध्यक्ष कांता काबरा, संरक्षक सुरेंद्र गोयल, साउथ जोन सचिव विमल सरावगी तथा चैप्टर सचिव वैभव गुप्ता की विशेष उपस्थिति में मेले का उद्घाटन किया गया।ङ्कमहिला समिति की अध्यक्ष कांता काबरा ने सभी का स्वागत किया। सचिव अनीता जैन ने संचालन कर मेले के बारे में जानकारी दी। सरोज डागा ने सभी अतिथियों का परिचय दिया।

कोषाध्यक्ष मोना आंचलिया ने सभी को धन्यवाद दिया। 85 से अधिक स्टॉलों पर महिला उद्यमियों ने अपने उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया। 1200 से अधिक आगंतुकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा जमकर खरीददारी की।

मेले के प्रमुख आकर्षणों में एकल उत्पादों का स्टाल, कॉफी पेंटिंग आर्ट रही। अपोलो हॉस्पिटल द्वारा आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में लोगों ने स्वास्थ्य जाँच का लाभ उठाया। प्रत्येक घंटे आयोजित लकी ड्रॉ ने उत्साह बनाए रखा। इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक प्राइड ग्रुप, सहप्रायोजक बगारिया एजुकेशन ट्रस्ट एवं विकास कैलाश काबरा, फूड स्पॉन्सर बीकानेरवाला, लकी ड्रॉ स्पॉन्सर रायसोनी डायमंड एवं सेवन हेवन सभी प्रायोजकों एवं सहयोगियों को सम्मानित किया गया। प्रदर्शनी की संयोजक विजयलक्ष्मी सारड़ा, सुनीता गुप्ता, मोना आंचलिया, श्रद्धा दाधीच एवं अनुराधा गुप्ता ने सहयोग दिया। ज्योति भट्ट, अंजना शर्मा, नीलम गुप्ता, रजनी बैद एवं किरण लड्ढा ने प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

साधक हमेशा आत्मदर्शी बनें : साध्वीश्री मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि हमने अपना आसन, जिनशासन में जमाया है, पर साधक आत्मदर्शी बनकर यह चिंतन मनन अवश्य करें कि जो जिनशासन कहता है, वैसे क्रिया, साधना, धर्म का आचरण, अनुशासन पालन हम अपने जीवन में करते हैं क्या? उन्होंने कहा कि सुनना, श्रवण, मनन, समझना पानी के समान है, लेकिन आचरण करना अमृत के समान है। अतः साधक को आगमवाणी को श्रवण कर यथासंभव अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे पास दो महत्वपूर्ण साधन हैं जिनसे हम गौरवान्वित हो सकते हैं।पहला जिनशासन,आगम रुपी तीर्थंकर भगवान की वाणी और दूसरा माध्यम है, अणगार धर्म का पालन ।ङ्कङ्कप्रारंभ में साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने कहा कि संसार का सेन्टर पाइंट कर्म है। कर्म सत्ता को शून्य, जीरो करना है तो धर्म सत्ता को स्वीकार, अपनाना होगा। मनुष्य गति में ही रहकर हम कर्म को शून्य कर सकते है। अब उस मानव भव को प्राप्त कर धर्म आचरण, तप साधना तपस्या से अपने कर्मों को क्षय कर जीवात्मा शाश्वत सुख के स्थान मोक्ष को प्राप्त कर सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिव पूजा

हासन जिले के वैलूर स्थित शिव मंदिर में श्रावण मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर राजस्थानी समाज की महिलाओं ने भगवान शिव की श्रद्धा एवं उत्साह के साथ विशेष पूजा-अर्चना की। इस दौरान महिलाओं ने भगवान शिव की कृपा प्राप्ति एवं परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखकर विधि-विधान से जलाभिषेक किया और बेलपत्र अर्पित किए।

मनुष्य का जीवन उसकी संगति पर निर्भर : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में 'जैसी संगत वैसी रंगत' विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। मित्रता दिवस पर अनेक सदस्यों ने गुरुदेव मलयप्रभसागरजी, मुकुलप्रभसागरजी से वासक्षेप ग्रहण किया। साध्वी श्री प्रियश्रद्धांजनाश्रीजी ने कहा कि मनुष्य का जीवन उसकी संगति से निर्मित होता है। अच्छी संगत व्यक्ति को सदाचार, संयम, संस्कार और धर्म के मार्ग पर अग्रसर करती है, जबकि कुसंगति जीवन को पतन की ओर ले जाती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को सदैव सज्जनों, धर्मप्रेमी एवं संस्कारी लोगों की संगति अपनानी चाहिए। ङ्कउन्होंने कहा कि सच्चा मित्र वही है जो हमें अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित करे, हमारे दोषों को दूर करने में सहयोग दे तथा जीवन में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

केवल स्वार्थ पर आधारित मित्रता स्थायी नहीं होती, बल्कि विश्वास, सद्भाव और परस्पर सम्मान पर आधारित मित्रता ही जीवन को सार्थक बनाती है। प्रवचन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित था।

प्रभु की वाणी का श्रवण पूरे मन से करें : संतश्री अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिनवाणी का श्रवण पूरी आस्था व श्रद्धा से करना चाहिए। हमें सांसारिक कार्यों को त्याग कर पूरे मन से प्रभु की वाणी का श्रवण करना चाहिए। एकाग्रता से सुने प्रवचन मन में उतरते हैं और जीवन का कल्याण करते हैं। मुनिश्री ने नमस्कार पुण्य का महत्व बताते हुए कहा कि श्रावक को खाना-पीना, सजना, संवरना छोड़ना नहीं अपितु सब कार्य करते हुए जिनवाणी श्रवण कर पुण्य का खजाना भरता है। नमस्कार पुण्य प्राप्ति का तरीका बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि पुण्य को जीवन में अपनाने से दुख का नाश और सुख की बढ़ोत्तरी होती है। नमस्कार पुण्य पापकारी प्रवृति करने नहीं देगा और जो हो गई है उन्हें नष्ट कर देता है। रवि मुनिजी ने मोक्ष का मार्ग प्रतिपादित करते हुए तप त्याग की बात कही।

ज्ञानी को समझाया जा सकता है, अभिमानी को नहीं : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में बेंगलूरु चातुर्मास समिति के तत्वावधान में आयोजित 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में डॉ. समकित मुनिजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में कहा कि जीवन में सुख और दुःख का चक्र पलभर में बदल जाता है, इसलिए समय रहते जीवन में समझदारी का पैकेज अवश्य लेना चाहिए। यदि मानव जीवन का सदुपयोग नहीं किया गया तो यह अनमोल अवसर व्यर्थ चला जाएगा। जिस प्रकार किसी कीमती सामान पर हेंडल विद केयर लिखा होता है, उसी प्रकार हमारे पारिवारिक रिश्तों पर भी यह संदेश अंकित होना चाहिए। रिश्ते प्रेम, विश्वास, संयम, संवाद और संवेदनशीलता से सुरक्षित रहते हैं। छोटी-सी उपेक्षा, कटु वाणी, अहंकार या क्रोध वर्षों पुराने संबंधों में भी दरार डाल सकता है। ङ्कडॉ. समकित मुनि ने कहा कि आज समाज में धन को अत्यधिक महत्व दिया जा रहा है। लोग पैसे वालों की बात सुनने को तैयार रहते हैं, लेकिन जो सच्चा हितैषी है, उसकी सीख को अनसुना कर देते हैं। परिणामस्वरूप अहंकार और कषायों के कारण वर्षों पुराने रिश्ते भी टूट जाते हैं।

उन्होंने कहा कि कागज या कपड़े के टुकड़े करना आसान है, लेकिन अपने अभिमान और अहंकार को तोड़ना सबसे कठिन कार्य है। अहंकार के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञानी-अज्ञानी को समझाया जा सकता है, लेकिन अभिमानी को नहीं। अभिमानी को केवल समय की ठोकर ही सुधारती है।

उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि शेर की दहाड़ और समय की पछाड़ दोनों अत्यंत खतरनाक होती हैं। मानव जीवन की महत्ता बताते हुए संतश्री ने कहा कि यह जीवन डायमंड (हीरे) के समान अनमोल है। यह प्रत्येक व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह अपने जीवन को कषायों, मोह और प्रमाद से कोयला बना देता है या धर्म, संयम, सेवा और साधना से उसे डायमंड की तरह चमका देता है।

उन्होंने कहा कि संसार की बाहरी चमक-दमक दूर से आकर्षक दिखाई देती है, लेकिन वास्तविक सुख आत्मिक शांति, सदाचार और धर्ममय जीवन में ही निहित है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि परिवार में प्रेम, संवाद, सहनशीलता और क्षमा का वातावरण बनाकर ही समाज और राष्ट्र को सुदृढ़ बनाया जा सकता है। प्रवचन सभा में दिल्ली से आए गुरुभक्त प्रमोद जैन का चातुर्मास समिति की ओर से चेयरमैन प्रकाशचंद बेताला, अध्यक्ष रमेश सिसोदिया, कार्याध्यक्ष राजेश बोहरा, महामंत्री जम्बूकुमार दुग्गड़ एवं शांतिलाल भंडारी ने सम्मान किया। समिति के नेमीचंद दलाल ने संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

मोकलसर प्रवासी जैन संघ की युवा उपसमिति की बैठक में लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय मोकलसर प्रवासी जैन संघ की युवा उपसमिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में समाज के युवाओं ने संगठन को और अधिक सशक्त, संगठित एवं भविष्य के लिए तैयार बनाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया तथा आगामी कार्यक्रमों, युवा गतिविधियों एवं समाज में सहभागिता बढ़ाने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। ङ्कबैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुँचने एवं एक समग्र प्रवासी संघ परिवार डेटाबेस तैयार करने का रहा। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक परिवार की मूल जानकारी एवं आवश्यक विवरण का संकलन किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य केवल जानकारी एकत्र करना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक सदस्य को एक-दूसरे से जोड़ना, युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करना तथा भविष्य की सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाना है। प्रवासी संघ के सचिव प्रवीण बाफना ने बताया कि प्रवासी जैन संघ आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी एवं आयोजन की रूपरेखा शीघ्र ही संघ के सभी सदस्यों के साथ साझा की जाएगी। बैठक में प्रवासी संघ समिति सदस्य नवरतन गुलेच्छा, महावीर कवाड़, मनोज बाफना, अरविंद कोठारी आदि सदस्य उपस्थित थे। सहसचिव कल्पेश लुंकड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**